मनेन्द्रगढ़
31 मार्च 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

दिल्ली, तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था; 2007 में भी गिरफ्तार हो चुका था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा (Let) से जुड़े शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

पुलिस के मुताबिक, वह दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर संचालित कर रहा था। लोन को इससे पहले 2007 में दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था।

4 दिन पहले कश्मीर में लोन के 10 ठिकानों पर छापेमारी : काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया था। CIK के मुताबिक, इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां 2 महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर नजर रखे थीं।

चंडीगढ़- हरियाणा नर्सिंग कॉलेज चेयरमैन पर हाईकोर्ट में खुलासे

8 छात्राओं ने कहा : कमर से चादर हटाई, बाथरूम में फंसा ब्रा स्ट्रैप खींची, तीर मारा

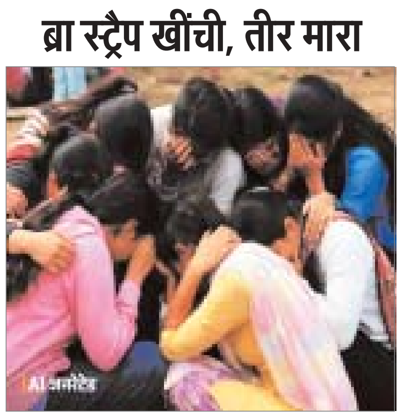

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के हिसार स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। चेयरमैन जगदीश गोस्वामी पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न और SC/ST एक्ट जैसी धाराओं के तहत एफआईआर हुई थी। गोस्वामी करीब 3 महीने जेल में रहा। गोस्वामी पर उस वक्त 8 लड़कियों ने आरोप लगाए थे। इस मामले में अब कोर्ट का ऑर्डर आने के बाद छात्राओं के लगाए आरोप सामने आए हैं। जिसमें छात्राओं ने कहा- जबरन बाथरूम में फंसाकर उनकी ब्रा स्ट्रैप खींचने की कोशिश की। हॉस्टल में आकर पैर दबाने को कहा। सोते वक्त गुपचुप ढंग से चादर हटा दी। ऐसे ही कई गंभीर आरोप छात्राओं ने लगाए। हालांकि इस मामले में गोस्वामी के वकील ने कहा था कि कई छात्राओं ने एफिडेविट दिया कि सब गलतफहमी में हुआ है। जो अब सुलझ गया है। वहीं कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर पहले कोई केस नहीं है। ट्रायल में ही आरोपों की सच्चाई पता चलेगी। जिसमें समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत दी जाती है।

27 मार्च को जमानत के बाद अब इसकी केस की कॉपी से छात्राओं के बयान सामने आए हैं।

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, केंद्र का फैसला

हर जिले में 2 पंपों पर सुविधा होगी, तेल कंपनियां 5 हजार लीटर स्टॉक रख सकेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने रविवार को फैसला लिया है कि अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर भी केरोसिन मिल सकेगा। अब सरकारी तेल कंपनियां तय किए गए पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन रख और बांट सकेंगी।

हर जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुनेंगे, जहां यह सुविधा दी जाएगी। इन पेट्रोल पंपों पर अधिकतम 5 हजार लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा।

सरकार ने सप्लाई आसान बनाने के लिए 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के नियमों में ढील दी है, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक तेल समय पर पहुंच सके।

सरकार ने ये फैसला अमेरिका-इजराइल के ईरान संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण भारत में गैस, पेट्रोल-डीजल की कमी है। केंद्र सरकार लगातार मौजूदा हालात पर चिंता जता रही है।

ट्रम्प बोले: ईरान के तेल पर कब्जा मेरी पसंदीदा चीज

खार्ग द्वीप भी ले सकता हूं; समझौता नहीं हुआ तो ईरान ही नहीं बचेगा

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान का तेल अपने कंट्रोल में लेना चाहते हैं। रविवार को फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने यह बयान दिया।

ट्रम्प ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज है ईरान का तेल लेना। इसपर कब्जे के लिए अमेरिका के पास कई विकल्प हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिका में कुछ लोग कहते हैं आप ऐसा क्यों कर रहे हैं?' लेकिन वे बेवकूफ हैं।'उन्होंने खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप ले लें, हो सकता है नहीं।' ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि इस द्वीप पर ईरान की रक्षा ज्यादा मजबूत नहीं है और अमेरिका इसे आसानी से अपने कब्जे में ले सकता है।खार्ग द्वीप फारस की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में स्थित है। यह ईरान का अहम तेल केंद्र है। यहां से ईरान का करीब 90 प्रतिशत तेल निर्यात होता है।ट्रम्प ने यह भी कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए जल्द समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने अमेरिका का प्रस्ताव नहीं माना, तो उनके पास देश ही नहीं बचेगा।

ईरान का अमेरिका से सीधी बातचीत से इनकार:

ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की सीधी बातचीत से इनकार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक दोनों देशों के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है।

उन्होंने बताया कि अमेरिका ने बातचीत की इच्छा जताई है, लेकिन उसकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख शुरू से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका बार-बार अपनी स्थिति बदल रहा है।ईरान ने यह भी कहा कि उसे पूरी तरह पता है कि वह किस ढांचे में बातचीत पर विचार करेगा। प्रवक्ता ने अमेरिकी कूटनीति पर तंज करते हुए कहा कि वहां खुद लोग उसके दावों को कितनी गंभीरता से लेते हैं।पाकिस्तान में हुई बैठकों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने कहा कि ये उनकी अपनी पहल है और तेहरान इसमें शामिल नहीं हुआ।

नीतीश का एमएलसी पद से इस्तीफा, मंत्री अशोक चौधरी रोए

तेजस्वी बोले : भाजपा ने दबाव में इस्तीफा दिलवाया; नितिन नवीन ने भी विधायक पद से रिजाइन किया

पटना, एजेंसी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा विजय चौधरी और MLC संजय गांधी लेकर विधान परिषद पहुंचे।मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये तो संवैधानिक प्रक्रिया है। आज उन्हें इस्तीफा देना था। उनका त्यागपत्र स्रष्ट संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सौंप दिया है।'नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद मंत्री अशोक चौधरी भावुक नजर आए। वो फफक कर रोते दिखे। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, 'बीजेपी ने मुख्यमंत्री से दबाव में इस्तीफा दिलवाया है।'इधर, BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा बिहार BJP के अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंप दिया है। नितिन नवीन ने कल असम जाने से पहले अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा था।

ममता बोलीं- बीजेपी कैश-गैस बंद कर देगी

केरल में राहुल बोले- मोदी ट्रम्प के दवाब में, इसी तरह पिनाराई पर पीएम का दबाव

कोलकाता/गुवाहाटी/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है।

इधर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। उन्होंने पतनमतिट्टा में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सच तो यह है कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं, यह बात हर कोई जानता है। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं।

भाजपा प्रतिनिधित्व मंडल चुनाव आयोग से मिला, टीएमसी की शिकायत की : केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी ञस्ष्ट ने चुनाव को हाईजैक कर लिया है। लोगों को डरा-धमका कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत की है। चुनाव आयोग ने उनकी एक-एक बात सुनी।

उन्होंने कहा कि हमने आयोग को बताया कि खुद मुख्यमंत्री घर-घर जाकर वोटरों को धमका रही हैं कि जो बीजेपी को वोट देगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। राज्य का पूरा प्रशासनिक ढांचा, वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर निचले स्तर तक, TMC के कैडर की तरह काम कर रहा है।

रिजिजू ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से कराए जाएं और पिछली तीन चुनावों की तरह जबरदस्ती के तरीके दोहराए न जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा चुनाव में जनता TMC के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज करा रही है। साथ ही, चुनाव आयोग ने सकारात्मक जवाब दिया है और भरोसा दिलाया है कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

तमिलनाडु के सीएम ने कहा- डीएमके का घोषणा पत्र गेम चेंजर होगा

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने सोमवार को कहा कि DMK का घोषणापत्र तमिलनाडु के लिए एक गेम-चेंजर होगा। विकास और कल्याण साथ-साथ चलते हैं, यह साबित करते हुए कि आप बुनियादी ढांचे का निर्माण कर सकते हैं, अर्थव्यवस्था को बढ़ा सकते हैं और लोगों को एक साथ ऊपर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वन-साइज-फिट्स-ऑल से आगे बढ़कर विकल्प-आधारित शासन की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। लोग खुद तय करते हैं कि उनके लिए क्या बेहतर है।

आंध्र प्रदेश- नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए

सिर जलाया, एक हिस्सा बेड के नीचे, दूसरा फ्रिज में रखा; थाने पहुंचकर अपराध कबूला

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने शव के 3 टुकड़े किए। एक हिस्सा फ्रिज में छिपा दिया, दूसरा बोरे में भरकर बेड के नीचे रख दिया और तीसरा यानी सिर को सुनसान इलाके में ले जाकर जला दिया। वारदात के समय पत्नी मायके गई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी चिंतादा रविंद्र (35) नेवी कर्मचारी हैं। वह INS डेगा में तैनात है। रविंद्र ने रविवार दोपहर अपनी 29 साल की प्रेमिका मोनिका को घर बुलाया था। शाम के समय दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के जांच में सामने आया कि रविंद्र ने मोनिका की चाकू से हत्या की।

हत्या के बाद खुद पुलिस स्टेशन पहुंचा

घटना के बाद आरोपी खुद पुलिस स्टेशन पहुंचा और अपराध कबूल कर लिया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर और फ्रिज से शव के टुकड़े बरामद हुए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और शव के बाकी हिस्सों की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई गई है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दोनों 5 साल से डेट कर रहे थे : रविंद्र और मोनिका की मुलाकात 2021 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बने। वे विशाखापट्टनम में अलग-अलग जगहों पर मिलते थे। पुलिस के मुताबिक रविंद्र का दावा है कि मोनिका ने उससे 3.5 लाख रुपए लिए थे। वह अक्सर रिश्ते का खुलासा करने की धमकी देती थी। वारदात के वक्त रविंद्र की पत्नी कुछ दिन पहले विजयनगरम स्थित अपने मायके गई हुई थी। इसी दौरान उसने मोनिका को घर बुलाया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। रविंद्र हत्या के इरादे से चाकू खरीदने दुकान में गया था, जब वहां चाकू नहीं मिला तो ऑनलाइन मंगाया।

इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड से बैंकिंग क्षेत्र में सुधार आया

सीतारमण बोलीं- नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स की वसूली पर भी असर, रुपया गिरने पर लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्टसी कोड (IBC) देश के बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति में सुधार लाने में प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण फैक्टर रही है, जिसमें नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स की वसूली भी शामिल है। लोकसभा में IBC में संशोधन करने वाले विधेयक को पेश करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इनसॉल्वेंसी रिजोल्यूशन प्रोसेस से बाहर आने के बाद कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उनकी कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रैक्टिस में भी सुधार हुआ है। इधर डॉलर के मुकाबले रुपए के गिरते वैल्यू को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इसपर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। हमारा फिस्कल डेफिसिट कंट्रोल में है। विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत है। उन्होंने कहा विपक्ष का देश की कृषि और लोगों की मेहनत को कमतर दिखाना सही नहीं है। जरूरी है कि हम लोगों की मेहनत के साथ खड़े रहें। देश और जनता की मेहनत को कमजोर बताना गलत सोच है। वहीं, यूपी के आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात सुनता है, लेकिन रुपए की वैल्यू में लगातार गिरावट से उनकी लोकप्रियता घट रही है। इस पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि दो महीने पहले हुए एक ग्लोबल सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दुनिया के सभी नेताओं से ज्यादा रही। विपक्ष के हंगामे के बीच उन्होंने कहा कि जब जवाब दिया जा रहा हो, तो उसे सुनना चाहिए।

जनगणना 2026: पहले चरण के लिए 33 सवाल तय:ऑनलाइन पोर्टल पर भी जानकारी दे सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 2026 की जनगणना के पहले चरण के लिए 33 सवाल जारी किए हैं, जो 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इसमें कहा गया है कि स्थिर रिश्ते में रहने वाले लाइव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा की उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है।

पहले चरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर स्र्वक्त (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं।

लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप Android और iOS दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी।

पहला फेज 1 अप्रैल 2026 से : केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे।

सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में दस दिनों से सीवर ओवरफ्लो, लोग परेशान; बीमारियों का बढ़ा खतरा

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो के कारण लोग परेशान हैं। कई दिनों से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। फैक्ट्री संचालकों का आरोप कि नियमित सीवर सफाई न होने के कारण पूरे इलाके में यह समस्या बनी हुई है, लेकिन अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। फैक्ट्री संचालकों ने बताया कि गली नंबर बी-12 में करीब दस दिनों से सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। पास में ही निगम कार्यालय भी स्थित है। यह इलाके का मुख्य मार्ग होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। पैदल चल रहे लोगों के पास से जब वाहन गुजरते हैं तो गंदे पानी की छींटें उन पर पड़ती हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि महिलाएं और बच्चे रास्ता बदलकर जाने को मजबूर हैं। आसपास की कई गलियों में भी यही स्थिति बनी हुई है। लोगों का कहना है कि सीवर की सफाई करने वाले कर्मचारी आते हैं, समस्या देखते हैं और बिना समाधान किए लौट जाते हैं। घरों के आगे गंदा पानी जमा रहने से बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। इस संबंध में स्थानीय विधायक ओपी शर्मा का कहना है कि समस्या की जानकारी पहले से है और सोमवार को इसका समाधान कराया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्र की बदहाली आम लोगों के साथ-साथ व्यावसायिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर रही है। कई जगह सीवर के ढक्कन टूटे पड़े हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। - जगदीश सीवर ओवरफ्लो के कारण सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। पूरी सड़क पर गंदा पानी फैला रहता है। जिम्मेदार लोग समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं।

नोएडा में टैक्स जमा नहीं करने वाले वाहन होंगे जब्त, मालिकों को डिफॉल्टर घोषित करने की तैयारी

नोएडा, एजेंसी। शहर में बिना टैक्स जमा किए दौड़ रहीं बस, ट्रक और कमर्शियल वाहन अब सीधे जब्त होंगे। परिवहन विभाग ऐसे वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई करने में जुटा हुआ है। एक अप्रैल बैठक होगी। टैक्स जमा नहीं करने वाले वाहन मालिकों को डिफॉल्टर घोषित करने की तैयारी की जाएगी। वाहन मालिकों के पास टैक्स जमा करने के लिए दो दिन का समय है। बता दें परिवहन विभाग का 10 हजार वाहन मालिकों पर 70 करोड़ रुपये से अधिक टैक्स बकाया है। एकमुश्त योजना, कैंप और मेला लगाकर विभाग ने कई बार अपील की, लेकिन ज्यादातर मालिकों ने टैक्स जमा नहीं किया। एक अप्रैल को होने वाली अहम बैठक में निर्णय लिया जाएगा। अगर दो दिन के अंदर टैक्स जमा नहीं किया गया तो इन वाहनों को डिफाल्टर लिस्ट में डाल दिया जाएगा। विभाग के अनुसार, ये ज्यादातर पुराने व्यावसायिक वाहन हैं। वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले विभाग ने चेकिंग अभियान भी तेज कर दिया है। पहले तो नोटिस भेजे गए, कैंप लगाए गए, लेकिन टैक्स न के बराबर जमा हुआ। 70 करोड़ का यह बकाया न सिर्फ विभाग के खजाने को नुकसान पहुंचा रहा है। उपसंभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन नंद कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान में ऐसे वाहनों को जब्त किया जा रहा है। अगली बैठक में वाहन और मालिकों पर बडी कार्रवाई को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

यमुना किनारे नया रेनीवेल तैयार, अब बिजली कनेक्शन का इंतजार; फरीदाबाद में दूर होगी पानी की किल्लत

फरीदाबाद, एजेंसी। यमुना नदी किनारे मोठूका में एक और रेनीवेल बनकर तैयार हो चुका है। केवल बिजली का कनेक्शन होना बाकी है। कनेक्शन मिलने के बाद इसे चालू कर दिया जाएगा। अप्रैल में यह कनेक्शन मिलने की उम्मीद है। याद रहे यहां एक और रेनीवेल चालू हो चुका है लेकिन इसका भी बिजली का कनेक्शन नहीं हो सका है। इसे जनरेटर से चलाया जा रहा है। इस पर हर महीने लाखों रुपये खर्च हो रहे हैं। अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि 15 अप्रैल तक कनेक्शन मिलने के बाद दोनों रेनीवेल पूरी क्षमता के साथ पेयजल सप्लाई देने लगेंगे। दोनों रेनीवेल से 20 एमएलडी पानी शहरवासियों को उपलब्ध हो सकेगा। यहीं पर तीसरे रेनीवेल का काम भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। उसे भी अप्रैल के अंत तक शुरू करने का दावा किया जा रहा है। यमुना नदी किनारे रेनीवेल फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा लगाए जा रहे हैं। पहले रेनीवेल का पानी सेक्टर-25 के बूस्टर पर जा रहा है। यहां से मुजेसर, संजय कालोनी, सेक्टर-55, सेक्टर-23, सेक्टर-52, पर्वतीय कालोनी सहित आसपास की कालोनियों में रहने वाले हजारों परिवार को राहत मिल गई है। तीनों रेनीवेल चालू होने के बाद बल्लभगढ़ और एनआइटी विधानसभा क्षेत्र में 30 एमएलडी पानी की सप्लाई बढ़ जाएगी। याद रहे एफएमडीए यमुना नदी किनारे 12 रेनीवेल लगा रहा है। इनसे शहर को 120 एमएलडी पानी मिल जाएगा। दूसरे चरण में पांच रेनीवेल चालू हो जाएंगे। एफएमडीए ने नगर निगम व हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कुल 22 रेनीवेल टेकओवर कर लिए हैं। शहर में पेजयल किल्लत रहती है। मांग 450 एमएलडी तो आपूर्ति 330 एमएलडी प्रतिदिन हो पा रही है।

दादरी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा, बोले 5% अहंकारी 95% पीड़ितों का शोषण नहीं कर पाएंगे

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। पांच प्रतिशत लोग 95 प्रतिशत लोगों का शोषण करके अधिकारों से वंचित करने का काम कर रहे हैं। एक तरफ अहंकारी हैं तो दूसरी तरफ पीड़ित, जो पीड़ित हैं वे पीडीए हैं। सपा ने पीडीए यानी पीड़ितों को एक साथ लाने का काम किया है। यह केवल रैली नहीं बल्कि आह्वान है।आने वाले समय में हम पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) के लोग मिलकर सरकार बनाने जा रहे हैं। यह बात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में समानता भाईचारा सम्मेलन के दौरान कहीं। सम्मेलन में गुर्जरों ने अपनी ताकत दिखाई। 32 जिलों के 140 विधानसभा क्षेत्रों के गुर्जर शामिल हुए। अखिलेश यादव ने इन सीटों पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने के साथ 2027 विधानसभा चुनाव का भी आगाज किया। एक दिन पहले नोएडा एयरपोर्ट उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयानों पर भी पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर हुई जनसभा की पोल बहुत लोगों ने खोल दी। कोई कैमरे से नहीं बच सकता। लोगों की भीड़ जुटाने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी को सरकारी कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा। रैली में लोग आए नहीं, लाया गया था। जेवर के एयरपोर्ट को किसी ने एनओसी दिलाने का काम किया था तो वह समाजवादी पार्टी थी। उसी का परिणाम है जो आज यहां एयरपोर्ट बना, जो लोग एयरपोर्ट का उद्घाटन कर रहे थे, वे पहले भी सात एयरपोर्ट का उद्घाटन कर चुके हैं, जिनमें से छह बंद हो गए।

उन्हें वादा करना चाहिए कि जिसका उद्घाटन किया उसे बेचेंगे नहीं। चुटकी लेते हुए कहा कि ऐसा तो नहीं कहीं उद्घाटन ही बेचने के लिए किया गया हो। अखिलेश ने कहा कि जिसने अत्याचार, अन्याय और उत्पीड़न की पीड़ा नहीं झेली है। वह हमदर्दी तो दिखा सकते हैं, लेकिन हमारा दर्द महसूस नहीं कर सकते, जो हमारे घर को गंगाजल से धुलवाने पर हमें हुआ था।अब दौर बदल गया है। अभी समय है, चालबाजी, भेदभाव छोड़ दें। भविष्य उनका नहीं है। शीघ्र ही सत्ता के सिंहासन से भी उतार दिए जाएंगे।

नौकरी नहीं देते, पेपर लीक कराते हैं : अखिलेश ने कहा सरकार ने 50 करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं उतरा। रोजगार के लिए नौजवान परेशान हैं। नौकरी भाजपा के एजेंडे में कभी नहीं रही। बाबा भीम राव आंबेडकर के संविधान के तहत जो आरक्षण है वो भी उनके एजेंडे में कभी नहीं रहा। इसलिए सरकारी नौकरी नहीं देते पेपर लीक कराते हैं। कुछ लोग कहते हैं हम नोएडा नहीं आते। अंधविश्वास था उन्हें हम बता देना चाहते हैं कि दोनों लोगों ने मिलकर अपने कार्यकर्ताओं के घर पर चाय नहीं पी होगी, जितनी हमने नोएडा आकर अपने कार्यकर्ताओं के घर पर जाकर चाय पी है। नोएडा के विकास के लिए समाजवादियों का योगदान कोई भूल नहीं सकता। जिस मेट्रो में बैठकर उन लोगों ने उद्घाटन किया था, दिल्ली को नोएडा से जोड़ने वाली, वह समाजवादियों ने बनाई थी। नोएडा में दो एलिवेटेड बनवाए। नोएडा, ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो चलवाई। नोएडा में सर्वाधिक मुआवजा 850 से 5200 रुपये सपा सरकार ने किया। जब से भाजपा सरकार बनी है, तब से नोएडा, ग्रेटर नोएडा में मुआवजा नहीं बढ़ा। हमारी सरकार ने नोएडा के विकास के लिए एक नहीं, बल्कि कई फैसले लिए और इन लोगों के पास बताने के लिए कुछ नहीं है।

रिवर फ्रंट पर लगवाएंगे पीडीए महापुरुषों की प्रतिमाएं: संबोधन से पहले उन्होंने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर गंगाजल से छिड़काव किया। मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि समाजवादियों ने जब भी लड़ाई लड़ी जब दूसरे लोग हमारे इतिहास हमारे सम्राट को भी छीनना चाहते थे। उन्होंने कहा कि 2027 में सरकार बनाइए राधानी लखनऊ में तमाम पीडीए महापुरुषों के योगदान को याद दिलाने के लिए हम रिवर फ्रंट पर प्रतिमा लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान तब तक खतरे में रहेगा जब तक भाजपा है।

दिल्ली के शकूरपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। शकूरपुर इलाके की शिवाजी पार्क जेजे कालोनी में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय एक युवक का शव मिला है। राहगीरों ने कालोनी के अंदर खाली पड़े हिस्से के पास युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेरकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं, हालांकि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रही है। मृतक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल फोन या ऐसा कोई सामान बरामद नहीं

हुआ, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और नजदीकी थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का भी मिलान किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सुबह के समय कुछ लोगों ने युवक को वहां पड़ा देखा, जिसके बाद सूचना दी गई।

9 साल में सिर्फ 30प्रतिशत काम: लेटलतीफी की भेंट चढ़ा गुरुग्राम का वजीराबाद स्टेडियम, 2027 तक टला

गुरुग्राम, एजेंसी। प्रदेश सरकार के बजट सत्र 2026-27 के दौरान 21 जिलों में नए स्टेडियम बनाने की घोषणा की गई है, लेकिन गुरुग्राम में कोई नया स्टेडियम प्रस्तावित नहीं है। जिले के लिए पहले से निर्माणाधीन गांव वजीराबाद का स्टेडियम ही इस घोषणा में शामिल किया गया है। वर्ष 2016 में घोषित इस स्टेडियम का निर्माण अभी तक लगभग 30 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है। बजट सत्र में घोषणा के बाद निर्माण कार्य तेज होने की उम्मीद बढ़ी है। प्रारंभ में इसके निर्माण के लिए चंडीगढ़ स्थित खेल निदेशक कार्यालय से 40 लाख रुपये जारी किए गए थे, बाद में निर्माण कार्य नगर निगम को सौंप दिया गया। अब माना जा रहा है कि विधानसभा में घोषणा होने के बाद निर्माण की रफ्तार तेज हो जाएगी। हालांकि इस वर्ष

स्टेडियम पूरा करने का लक्ष्य तय था, लेकिन अब इसके वर्ष 2027 तक पूर्ण होने की संभावना जताई जा रही है। पूर्व फुटबाल खिलाड़ी नरेश यादव और नितिन भारद्वाज ने कहा कि वर्षों से लंबित इस स्टेडियम के निर्माण में अब तेजी आने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। स्टेडियम कुल 11.07 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित है। नगर निगम की तरफ से बताया जा रहा है कि अभी निगम के पास केवल 9.55 एकड़ जमीन ही उपलब्ध है। शेष डेढ़ एकड़ जमीन का कब्जा निगम को नहीं मिल पाया है। यह जमीन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के अधिकार क्षेत्र में है, जिसे खाली करवाकर निगम को सौंपा जाना है। मामला फिलहाल कोर्ट में लंबित है।

ऐसा होगा स्टेडियम: स्टेडियम में एक प्रवेश व निकासी का गेट होगा और दो बड़े हाल होंगे। एक हाल 3200 और दूसरा 3225 स्क्वायर मीटर को होगा। एक फुटबाल ग्राउंड होगा और ओपन योगा,जिम, स्केटिंग ट्रैक,बास्केटबाल, वालीबाल, बैडमिंटन, 621 स्क्वायर मीटर क्षेत्र ग्रीन को होगा। काफी, जूस आदि के अलग से क्षेत्र बनाया जाएगा। छोटे बच्चों के लिए ओपन ग्राउंड अलग से होगा। यहां पर स्टाफ परिवारों को रहने की सुविधा भी मिलेगी।

राव बिरेंद्र सिंह स्टेडियम: स्टेडियम का नाम पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राव बिरेंद्र सिंह के नाम से होगा। यह घोषणा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अप्रैल 2022 में की थी। उस समय मनोहर लाल ने कहा था कि स्टेडियम पर लगभग 212 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

वेस्ट बैंक में सीएनएन टीम से मारपीट के बाद आईडीएफ का बड़ा एक्शन

रिजर्व बटालियन को किया निलंबित

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्स ने वेस्ट बैंक में अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की टीम के साथ मारपीट और हिरासत के मामले में बड़ा कदम उठाते हुए एक रिजर्व बटालियन की सभी ऑपरेशनल गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आईडीएफ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस घटना की आंतरिक जांच पूरी कर ली गई है और वरिष्ठ अधिकारियों की सिफारिश पर संबंधित रिजर्व बटालियन को फिलहाल ऑपरेशनल ड्यूटी से हटा दिया गया है। सेना ने यह भी बताया कि बटालियन को अब प्रशिक्षण और अनुशासन सुधार प्रक्रिया से गुजरना होगा, ताकि पेशेवर और नैतिक मानकों को मजबूत किया जा सके।

नेटजाह येहुदा बटालियन पर उठते सवाल: जिस बटालियन पर कार्रवाई हुई है, वह नेटजाह येहुदा बटालियन की रिजर्व यूनिट है। यह यूनिट मूल रूप से अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदियों को सेना में शामिल करने के लिए बनाई गई थी, ताकि वे अपने धार्मिक नियमों का पालन करते हुए सेवा कर सकें। हालांकि, हाल के वर्षों में इस यूनिट पर कट्टरपंथी बसावट समूहों से जुड़े लोगों की भर्ती के आरोप भी लगे हैं, जिससे इसकी भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?: घटना पिछले सप्ताह वेस्ट बैंक के तैयासिर गांव में हुई, जहां CNN की टीम एक अवैध यहूदी बस्ती से जुड़े हमले के बाद की स्थिति को कवर कर रही थी। इस टीम का नेतृत्व संवाददाता जेरेमी डायमंड कर रहे थे।

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला, एक भारतीय की मौत

कुवैत, एजेंसी। कुवैत में ईरान की ओर से हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। कुवैत के बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को हुए इस हमले में एक बड़े पावर और पानी के डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा। मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रामक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें।सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और

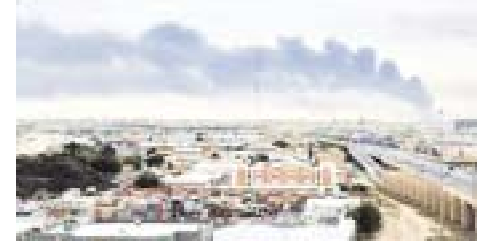

अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं।

ट्रंप का दावा- ईरान की सैन्य ताकत खत्म हुई, इसके बावजूद खाड़ी देशों में बढ़े हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइली अधिकारियों ने बताया कि बंदरगाह शहर हाइफा पर रॉकेट हमले हुए। इस्राइली एयर डिफेंस ने दो ड्रोन और पांच रॉकेट को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। ये हमले यमन से किए गए। माना जा रहा है कि हूती विद्रोहियों ने ये हमले किए। ईरान से भी रविवार को इस्राइली पर मिसाइल हमले किए गए। ईरान द्वारा खाड़ी देशों पर हमले लगातार जारी हैं और ईरान द्वारा खाड़ी देशों के अहम ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। ये हमले ऐसे समय हो रहे हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ये दावा कर रहे हैं कि ईरान की वायु सेना और नौसेना तबाह हो चुकी है, लेकिन जिस तरह से ईरान द्वारा पलटवार किया जा रहा है, उससे ट्रंप के दावे पर सवाल उठ रहे हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में रविवार सुबह दो शक्तिशाली विस्फोटों की आवाज सुनी गई, जिससे शहर के उत्तरी हिस्सों में हड़कंप मच गया। स्थानीय सूत्रों और कुछ

रिपोर्टों के अनुसार, इससे पहले शहर में एयर डिफेंस सिस्टम भी सक्रिय होते देखे गए। अभी तक धमाके के कारणों और नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, और आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

हिजबुल्ला ने इस्राइली सेना पर हमले का दावा किया: लेबनानी समूह हिजबुल्ला ने कहा कि उसके लड़ाकों ने उत्तर इस्राइल और दक्षिण लेबनान में इस्राइली सैनिकों पर हमला किया। समूह के अनुसार, उन्होंने उत्तर इस्राइल के मेटुअल शहर और दक्षिण लेबनान के खियम डिटेंशन सेंटर के पास इस्राइली सैनिकों और उनके वाहनों को निशाना बनाकर रॉकेट दागे।

कुवैत में प्लांट पर हुए हमले में एक भारतीय मजदूर की मौत: कुवैत में एक बिजली और पानी बनाने वाले प्लांट पर हुए हमले में एक भारतीय मजदूर की मौत हो गई। कुवैत के बिजली और पानी मंत्रालय ने बताया कि यह हमला ईरान की ओर से किया गया। मंत्रालय के अनुसार, हमले में प्लांट की एक सर्विस बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा है। यह प्लांट समुद्र के पानी को साफ करके पीने योग्य पानी बनाने और बिजली उत्पादन का काम करता है।ईरान में पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमला, बड़ा नुकसान टलाईरान के उत्तरी इलाके में सोमवार सुबह एक पेट्रोकेमिकल फैक्ट्री पर हमला हुआ। स्थानीय मीडिया के अनुसार तब्रिज पेट्रोकेमिकल के एक प्लांट को निशाना बनाया गया। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई खतरनाक रसायन बाहर नहीं फैला। यह फैक्ट्री तेल और प्राकृतिक गैस से प्लास्टिक और अन्य जरूरी रसायन बनाने का काम करती है, जो रोजमर्रा के कई सामानों में इस्तेमाल होते हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के पहले महीने में ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि अब अमेरिका और इस्राइल के अधिकारियों के निजी घर ईरान के लिए वैध लक्ष्य बन गए हैं। इस फैसले का मकसद पश्चिम एशिया में रहने वाले अमेरिकी और इस्राइली सैन्य तथा राजनीतिक अधिकारियों को चेतावनी देना है।

इस्लाइल के हवाई हमले में दक्षिण लेबनान में 5 की मौत: दक्षिण लेबनान के एक शहर पर इस्राइल के हवाई हमले में पांच लोग मारे गए। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस हमले में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

समय-सीमा प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर का फोकस

गांव-गांव पहुंचेगी प्रशासनिक व्यवस्था, कैंप लगाकर होगी समस्याओं की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समय-सीमा में प्राप्त प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके कलेक्टर ने कहा कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक अनावश्यक रूप से न आना पड़े इसके लिए प्रशासन को उनके निकट पहुंचकर कार्य करना होगा।

इसी उद्देश्य से प्रत्येक माह दो जिलास्तरीय कैंपों का आयोजन किया जाएगा वहीं विकासखंड स्तर पर एसडीएम द्वारा नियमित शिविर लगाए इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ही लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने जिले की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिला मुख्य रूप से ग्रामीण है और अधिकांश लोग कृषि आधारित गतिविधियों से जुड़े हैं ऐसे में अधिकारियों को किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे तथा संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए ताकि शिकायतों का स्थायी समाधान हो और जिले की रैंकिंग में सुधार आए साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा में प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर भी जोर दिया गया कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराएं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला, चुरहट विकास आनंद, गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आरपी त्रिपाठी, कुसमी शैलेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक, प्रियल यादव सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद के प्रयासों से कैंसर पीड़ित महिला को मिली बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से जरूरतमंदों को राहत मिलने का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के सतत प्रयासों से कैंसर से पीड़ित एक महिला को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई है यह सहायता न केवल मरीज के उपचार में सहायक होगी बल्कि उनके परिवार को भी बड़ी राहत प्रदान करेगी प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोल्हूडीह तहसील चुरहट निवासी तारावती शुक्ला, जो गंभीर बीमारी कैंसर से पीड़ित हैं उपचार के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता थी परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उपचार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था इस स्थिति को देखते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को सहायता के लिए अनुरोध पत्र प्रेषित किया। सांसद के निरंतर प्रयासों और पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 3 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर दी गई इस आर्थिक सहायता से अब तारावती शुक्ला को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी तथा उनके उपचार में आ रही आर्थिक बाधाएं काफी हद तक दूर हो जाएंगी। इस अवसर पर सांसद डॉ. मिश्रा ने सहायता स्वीकृत होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित इस प्रकार की योजनाएं गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी का कार्य करती हैं समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता से मरीजों को बेहतर इलाज मिल पाता है और उनके जीवन की रक्षा संभव हो पाती है सांसद ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे अपने क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे जरूरतमंद मरीजों की हरसंभव सहायता के लिए प्रयास जारी रहेंगे। स्थानीय स्तर पर इस पहल की सराहना की जा रही है क्षेत्रवासियों का मानना है कि इस प्रकार के प्रयासों से न केवल आमजन का विश्वास बढ़ता है बल्कि शासन और जनता के बीच संबंध भी मजबूत होते हैं यह पहल समाज के अन्य लोगों को भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल, ग्रामीणों ने लिया संरक्षण का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड सिहावल के सेक्टर क्रमांक 05 कुबरी की प्रस्फुटन समितियों द्वारा ग्राम पंचायत बेलहा में हनुमान मंदिर के समीप स्थित नदी तट पर जल चौपाल का आयोजन किया गया कार्यक्रम में परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी संभाग समन्वयक प्रवीण कुमार पाठक एवं जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि जल संरक्षण करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पानी बचाने के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनना आवश्यक है उन्होंने सभी से अपील की कि वे जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर सक्रिय प्रयास करें। संभाग समन्वयक प्रवीण कुमार पाठक ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन एवं जल संरचनाओं के संवर्धन के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है।

नकारात्मकता खत्म कर सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित की जाए तथा आमजन के साथ स्वस्थ एवं संवेदनशील संवाद को प्राथमिकता दी जाए कलेक्टर ने राजस्व से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने अपर कलेक्टर को समस्त कार्यों की लीड भूमिका सौंपते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि कार्यों में गति और गुणवत्ता बनी रहे उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक मंगलवार को सभी राजस्व अधिकारी अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे और लंबित प्रकरणों के निराकरण सहित कार्यालयीन कार्यों पर विशेष ध्यान देंगे।

राजस्व न्यायालयों में नियमित सुनवाई सुनिश्चित करने के साथ ही न्यायालय परिसरों में लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए जिससे अधिकारियों को अध्ययन एवं संदर्भ सामग्री उपलब्ध हो सके नामांतरण बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए साथ ही 31 मार्च 2025 तक निराकृत प्रकरणों का 30 जून 2026 तक अभिलेखों में अनिवार्य रूप से अमल सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न आई-गॉट प्लेटफॉर्म पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है प्रत्येक माह दो विषयों पर राजस्व अधिकारियों के प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे रीडरों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा प्रतिदिन समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित कर जिले की रैंकिंग में सुधार लाया जाए इसके अलावा राजस्व वसूली में तेजी लाने भू-अर्जन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने तथा वनाधिकार पट्टों के लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश भी दिए गए कलेक्टर ने कोटवारों की सुविधाओं का ध्यान रखने तथा उनके लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रभावितों को त्वरित राहत पहुंचाने पर भी जोर दिया गया उन्होंने उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक माह बैठक आयोजित कर कार्यों की नियमित समीक्षा करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राजस्व प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाममुखी बनाना ही प्राथमिक उद्देश्य है, जिससे आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

रबी उपार्जन की तैयारियां पूरी, 30 मार्च से शुरू कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में रबी सीजन वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर उपार्जन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी उपार्जन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं भारत शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर की खरीदी 30 मार्च 2026 से 28 मई 2026 तक की जाएगी जिला स्तरीय उपार्जन समिति के अनुमोदन के पश्चात जिले में पांच उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं जारी आदेशानुसार तहसील गोपद बनास के लिए सेवा सहकारी समिति खुर्द, रामपुर नैकिन के लिए सेवा सहकारी समिति रामपुर नैकिन सिहावल के लिए सेवा सहकारी समिति बमुरी, मझौली के लिए सेवा सहकारी समिति मझौली तथा चुरहट के लिए सेवा सहकारी समिति सेमरिया को उपार्जन केन्द्र बनाया गया है। उपार्जन नीति के अनुसार इस वर्ष गेहूं के साथ-साथ चना एवं मसूर के लिए भी स्लॉट बुकिंग व्यवस्था लागू की गई है जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में सुविधा मिलेगी और अनावश्यक भीड़ से बचा जा सकेगा उपार्जन कार्य सप्ताह में पांच दिवस (सोमवार से शुक्रवार) प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे तक संचालित किया जाएगा कृषकों को तौल पर्ची सायं 6 बजे तक जारी की जाएगी ताकि गुणवत्ता परीक्षण दिन के उजाले में पूर्ण किया जा सके अंतिम तौल शाम 8 बजे तक सुनिश्चित की जाएगी। जिन किसानों की तौल निर्धारित दिनों में नहीं हो पाएगी उनकी तौल शनिवार को की जाएगी। शनिवार एवं रविवार को उपार्जित स्कंध के परिवहन, सुरक्षित भंडारण, लेखा मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध के अपग्रेडेशन का कार्य किया जाएगा। उपार्जन केन्द्रों पर आवश्यक मानव संसाधन डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा अन्य व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उपार्जन कार्य के लिए म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। जिला विपणन अधिकारी द्वारा बारदाना, बैनर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। भंडारण व्यवस्था की मॉनिटरिंग जिला प्रबंधक, म.प्र. वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन द्वारा की जाएगी इसके साथ ही उपार्जन केन्द्रों की ऑनलाइन स्थापना ग्राम मैपिंग एवं निगरानी का कार्य उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किया जाएगा। मंडी स्तर की व्यवस्थाओं के लिए सचिव कृषि उपज मंडी को जिम्मेदारी सौंपी गई है कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित समितियां शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार चना एवं मसूर का उपार्जन सुनिश्चित करें ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके और उपार्जन प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित हो।

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाने की पहल, कलेक्टर के नवाचार से आमजन को मिलेगा त्वरित एवं पारदर्शी समाधान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुख बनाया गया है कलेक्टर द्वारा किए गए नवाचारों के माध्यम से जनसुनवाई को सरल पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है नई व्यवस्था के तहत जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को आवेदन लिखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता ली जाएगी जिससे अशिक्षित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को अपनी समस्या लिखवाने में किसी प्रकार

की कठिनाई न हो प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा तथा प्रत्येक आवेदक को टोकन/पावती प्रदान की जाएगी। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी और आवेदक अपने आवेदन की स्थिति का आसानी से पता लगा सकेंगे प्रशासन का लक्ष्य है कि 50 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण उसी दिन सुनिश्चित किया जाए। हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित सभी विभागों की जनसुनवाई में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है ताकि मौके पर ही अधिक से अधिक प्रकरणों का समाधान किया जा सके अन्य विभागों के अधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर आवश्यकतानुसार समन्वय स्थापित करेंगे। समस्याओं के निराकरण के बाद संबंधित आवेदकों को व्हाट्सएप एवं फोन कॉल के माध्यम से सूचना प्रदान की जाएगी जिससे उन्हें समय पर जानकारी मिल सके और अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत के सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी जहां नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके साथ ही यह व्यवस्था जिले के सभी उपखंडों में भी लागू की ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को भी समान रूप से इस सुविधा का लाभ मिल सके कलेक्टर की इस पहल से जनसुनवाई को एक प्रभावी पारदर्शी एवं भरोसेमंद मंच के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है जिससे प्रशासन और आमजन के बीच संवाद और विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

पेयजल सुरक्षा को लेकर बड़ा अभियान, ग्राम पंचायतों ने लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों द्वारा पानी की टंकियों की नियमित सफाई का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है अभियान के तहत ग्राम पंचायतों के सचिव एवं सहायक सचिवों द्वारा प्राथमिकता के साथ पानी की टंकियों की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है इस पहल का मुख्य उद्देश्य नल-जल योजना के अंतर्गत आमजन को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है अब तक जिले में 100 से अधिक पेयजल टंकियों की सफाई की जा चुकी है जिससे जल गुणवत्ता में सुधार के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। पानी की टंकियों की सफाई को एक सतत प्रक्रिया के रूप में संचालित किया जा रहा है, ताकि जल की गुणवत्ता निरंतर बनी रहे और आमजन को सुरक्षित पेयजल मिलता रहे प्रशासन द्वारा इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार पानी की टंकियों की नियमित सफाई स्वास्थ्य और स्वच्छता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है इससे टाइफाइड, दस्त, हैजा जैसे जलजनित रोगों से बचाव संभव होता है टंकियों में जमा बैक्टीरिया, शैवाल एवं गंदगी को हटाकर पानी को स्वच्छ एवं उपयोग योग्य बनाए रखा जाता है।

गैस वितरण में लापरवाही पर संचालक को नोटिस

कलेक्टर ने 7 दिन में मांगा जवाब; होम डिलीवरी नहीं मिलने पर प्रशासन सख्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपभोक्ताओं को रसोई गैस वितरण में अनियमितताओं को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रताप गैस सर्विस के संचालक भारतलाल सिंह को रविवार रात 8 बजे कारण बताओ नोटिस जारी किया। यह नोटिस सोमवार सुबह 9 बजे संचालक को थमा दिया गया यह कार्रवाई खाद्य विभाग की निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर की गई है जिसमें एजेंसी संचालन में गंभीर खामियां सामने आई हैं खाद्य विभाग की ओर से प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसी परिसर में उपभोक्ताओं की अत्यधिक भीड़ पाई गई इसके साथ ही सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई कि उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की सुविधा

उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी शासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारु रूप से की जाए और प्राथमिकता के आधार पर उपभोक्ताओं तक घर-घर वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े निरीक्षण में पाई गई यह स्थिति शासन के निर्देशों के विपरीत मानी गई है प्रशासन ने इसे द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 का उल्लंघन माना है साथ ही यह कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत भी दंडनीय श्रेणी में आता है जिसके तहत कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है कलेक्टर ने संबंधित गैस एजेंसी संचालक को निर्देशित किया है कि वे 7 दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें नोटिस में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले के अन्य गैस एजेंसी संचालकों में भी हड़कंप मच गया है माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में गैस वितरण व्यवस्था को लेकर व्यापक जांच अभियान चलाया जा सकता है जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

तहसील सिहावल के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसील सिहावल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं एवं राजस्व कार्यों का विस्तृत जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली लंबित प्रकरणों की स्थिति और आमजन को दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने नामांतरण बंटवारा और सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रकरण समय-सीमा में पूर्ण रूप से निराकृत किए जाएं। उन्होंने अभिलेखों के अद्यतन एवं अमल की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय में चल रही सुनवाई की प्रक्रिया का अवलोकन किया और नियमित एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है जिससे आमजन का विश्वास प्रशासन में बना रहे कलेक्टर ने तहसील में उपस्थित आम नागरिकों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि कार्यालय में साफ-सफाई, अभिलेखों का व्यवस्थित रख-रखाव और कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को सरल, सुगम और समय पर सेवाएं मिल सकें।

इंसानी जीपीएस का क्षरण : तकनीकी निर्भरता घटा रही कुदरती क्षमता

संपादकीय

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं।

दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

सनत जैन

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फ़ीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है। डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पर्दाफाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा।

आज फिर महावीर की ज़रूरत

आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चैबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वेजवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अंतरात्मा में होता है। भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाया जाता है।

(महावीर जयंती पर विशेष)

मुस्ताअली बोहरा

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है। महावीर स्वामी को और भी नामों से जाना जाता है जैसे अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, अतिवीर आदि। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवी वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतर्मुखी स्वभाव के थे, शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने बसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार

के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया।

महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर 'केशलोच' के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्म शांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें 'केवलि' नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वामी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या 'जिन' कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरुओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दुःख देना नहीं चाहते थे।

महावीर को अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, वीर, अतिवीर और सन्मती के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने 'जैन धर्म' का रूप धारण किया। भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जरथ्रुष्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन माना जाता है। महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित होकर बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य सहित अन्य राजा भी जैन धर्म के अनुयायी बने। भगवान महावीर ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया, उन्होंने तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था का विरोध किया और सबको समान मानने पर जोर दिया। उन्होंने 'जियो और जीने दो' के सिद्धान्त पर जोर दिया। तीर्थंकर महावीर अहिंसा और अपरिग्रह का जीवंत उदाहरण थे। भगवान महावीर ने अहिंसा, तप, संयम, पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति, अनेकान्त, अपरिग्रह एवं आत्मवाद का संदेश दिया। महावीर स्वामी ने यज्ञ के नाम पर होने वाले पशु-पक्षी तथा नर की बली का पूर्ण रूप से विरोध किया। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए उन्होंने पांच व्रत दिए, जिसमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह शामिल है, इसे पंचशील भी कहा जाता है। 527 ईसा पूर्व कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली के दिन महावीर स्वामी निर्वाण को प्राप्त हुए। निर्वाण के समय भगवान महावीर स्वामी की आयु 72 वर्ष की थी। बिहार के पावापुरी में उन्होंने अपनी देह का त्याग किया। भगवान महावीर की मृत्यु के दो सौ साल बाद, जैन धर्म श्वेताम्बर और दिगम्बर सम्प्रदायों में बंट गया। दिगम्बर सम्प्रदाय के जैन संत वस्त्रों का त्याग कर देते हैं, इसलिए दिगम्बर कहलाते हैं जबकि श्वेताम्बर सम्प्रदाय के संत श्वेत वस्त्र धारण करते हैं।

जैन धर्म के मानने वाले संसार को किसी की रचना नहीं मानते। उनका विश्वास था कि संसार अनादि-काल से है और अनन्त है। जैनी लोग ईश्वर के स्थान पर तीर्थंकरों की उपासना करते हैं। जैन धर्म आत्मा की एकता में विश्वास नहीं करता। उसके अनुसार जिस प्रकार जीव अलग-अलग होते हैं उसी प्रकार उनमें आत्मा भी अलग-अलग होती है। इस प्रकार जितने जीव हैं, उतनी ही आत्माएँ होंगी। जैन मतावलंबी कर्मवाद अर्थात् कर्मानुसार फल की प्राप्ति तथा पुनर्जन्म के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं। पिछले जीवन के कार्यों का फल भोगने के लिए मनुष्य का पुनर्जन्म होता है। पुनर्जन्म से छुटकारा पाना ही मोक्ष है। यह त्रिरत्न के पालन से सम्भव है। निर्वाण ही मनुष्य का अन्तिम उद्देश्य होना चाहिए क्योंकि निर्वाण वास्तविक सुख है। निर्वाण से मनुष्य जन्म-मरण के चक्कर से छुटकारा पा जाता है। महावीर के अनुसार जीव के भौतिक अंश का नाश हो जाना ही निर्वाण है। महावीर स्वामी का कहना है कि यदि मनुष्य तीन रत्नों के अनुसार आचरण करे तो वह कर्म के बंधन से छुटकारा पा सकता है। ये तीन रत्न हैं सम्यक श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण। सम्यक ज्ञान का अर्थ है पूर्ण सच्चा ज्ञान, सम्यक् आचरण का अर्थ सदाचरमय जीवन है और सत में विश्वास सम्यक् श्रद्धा है। इनके पालन से ही कैवल्य की प्राप्ति होती है। सत्य पर भी जैनियों ने जोर दिया। अस्तेय का अर्थ है आज्ञा के बिना किसी अन्य की वस्तु न लेना। अपरिग्रह का अर्थ है सांसारिक बस्तों से मोह तोड़ना, जहाँ तक हो सके अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना। ब्रह्मचर्य का अर्थ है, इन्द्रियों को वश में करना। जैन धर्म में तप तथा व्रत का बड़ा महत्व है। जैनियों का विश्वास है कि मन-कर्म-वचन से व्रतों का पालन करना मोक्ष का साधन हैं।

कुमाऊँ की विशिष्ट परंपरा है 'भिटौली'

कुमाऊँ अंचल की सामाजिक परंपराएं, रीति-रिवाज और मान्यताएं विशिष्ट हैं। यहाँ के लोक जीवन में प्रकृति का गहरा प्रभाव है। यहाँ की अधिकांश परंपराएं और रीति - रिवाज प्रकृति पर आधारित हैं। कुमाऊँ में ऋतु के अनुसार लोक पर्व मनाए जाते हैं। यहाँ विभिन्न ऋतुओं में अलग-अलग लोक पर्व मनाने की परंपरा है। वसंत ऋतु को ऋतुराज कहा जाता है। वसंत ऋतु का आगमन ठंड के मौसम के विदा होने का सूचक है। वसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य निखर जाता है। प्रकृति में नवचेतना जागृत हो जाती है। संपूर्ण वातावरण में उल्लास भर जाता है। ठंड के मौसम में हरियाली विहीन हो गए पेड़-पौधों में कोंपल, हरियाली और गुलाबीपन की छटाएं दृष्टिगोचर होने लगती हैं।

(लेखक- प्रयाग पाण्डे / ईएमएस)

संपूर्ण प्रकृति में यौवन की बहार फूटने लगती है। कुदरत के चारों ओर खुशियां बिखर जाती हैं। सरसों फूलने लगती है। रस भरे काफल के फलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बुराँस के फूल अपनी मनमोहक छटा बिखरने को आतुर हैं। पेड़-पौधे बहुरंगी फूल-फलों से लद गए हैं तो समझिए कि वसंत ऋतु आ गई है। कुमाऊँ की लोक संस्कृति में वसंत माने देवी की प्रतिमूर्ति समझी जाने वाली बेटी- बहनों को मान- सम्मान देने का मौसम।

प्रकृति के इस नवयौवन को देख मानव मन भी हर्ष और उल्लास से भर जाता है। हर्षोल्लास की इस ऋतु में मानव को अपने प्रियजनों की याद सताने लगती है। विशेष अवसरों, तीज-त्यौहारों में अपने प्रियजनों की याद सबको सताती है, लेकिन वसंत भूली- बिसरी यादों को यकायक ताजा कर देता है। वसंत ऋतु में अपने प्रियजनों से भेंट करने की तीव्र इच्छा जागृत हो उठती है। भेंट करने की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिए वसंत ऋतु में कुमाऊँ अंचल में अत्यंत आत्मीय और भावुक कर देने वाली परंपरा का निर्वहन किया जाता है, जिसे भिटौली कहते हैं।

बसंत का सुआगमन होते बुराँश और सरसों सहित नाना प्रकार के फल-फूल लिखने लगें, कपुवा के साथ ही अन्य पंछियों के सुमधुर स्वर सुनाई दें और प्रकृति के चारों ओर उल्लास का

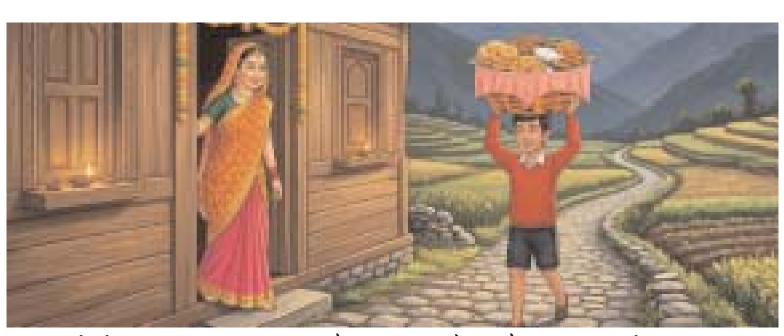

वातावरण हो तो समझिए कि कुमाऊँ में भिटौली का महीना आ गया है। भिटौली का महीना यानी चैत्र के आते ही ब्याहता बेटी- बहिनें ससुराल में अपने पिता और भाइयों की प्रतीक्षा करने लगती हैं। पहले के जमाने में पहाड़ में बाल्यावस्था में ही बच्चियों की शादी कर दी जाती थी। उस दौर में पहाड़ में यातायात और संचार के कोई साधन नहीं थे। अपनी बेटी -बहन से भेंट- मुलाकात बमुश्किल हो पाती थी। माता-पिता और भाई को सदैव अपनी बेटी-बहन की याद सताती रहती थी। वसंत के आते ही माता-पिता और भाई को अपनी ब्याहता बेटी- बहन की याद और अधिक सताने लगती थी, सो,अपनी बेटी-बहन से भेंट कर कुशल-क्षेम जानने और उन्हें सम्मानित करने के निमित्त भिटौली नामक परंपरा ने जन्म लिया।

चैत्र मास में पहाड़ में आमतौर पर मांगलिक कार्य नहीं होते हैं,लेकिन पहाड़ में इसे भिटौली का महीना माना जाता है। कुमाऊँ में इस महीने विवाहिता बेटी-बहनों को भिटौली देने की प्राचीन परंपरा है। भिटौली यानी उपहारों के साथ भेंट-मुलाकात, मान- सम्मान और इस बहाने बेटी-बहन की आशल - कुशल जानने की तीव्र जिज्ञासा।

भाई या पिता भिटौली देने के लिए बेटी-बहन के ससुराल जाते हैं। पहले से भिटौली की एक टोकरी ले जाई जाती थी, जिसे स्थानीय भाषा में छापरी कहते हैं। भिटौली में अपनी प्यारी बिटिया-बहन को वस्त्र, सामर्थ्यानुसार विभिन्न प्रकार के स्थानीय पकवान, मिठाई और नगदी भेंट दिए जाने की परंपरा है। मायके से भिटौली के रूप में आए पकवानों और मिष्ठान को बेटी- बहनें अपने ससुराल में वितरित करतीं थीं। चैत्र मास प्रारंभ होते ही विवाहिता बेटी -बहनें भिटौली की बेसब्री से प्रतीक्षा करने लगती हैं।भाइयों वाली बहनें अपनी भाई की राह जोहती हैं कि वह भिटौली लेकर आता ही होगा। जिनके भाई नहीं होते वे उदास होती हैं।

भिटौली को लेकर कुमाऊँ के अनगिनत मर्मस्पर्शी लोक गीत रचे गए हैं, जो भिटौली परंपरा की तत्कालीन महत्ता को अभिव्यक्त करते हैं:-

चैत बैशाग भिटाइ मैनाँ,
भेटि औ भाया चाइ रौली बैना।

अर्थात- चैत और वैशाख बहिनों को भिटौली देने का महीना है। हे भाई, तुम बहन से भेंट कर आओ,वह राह देखती होगी।

उधर बहन भी भाई के आने की प्रतीक्षा में है,उसे घुघुती पक्षी की कुहुक भी कचोटती है:-

ए नि बासा घुघूती रून झुन,
म्यारा मैता का देसा रुन झुन,
मेरी ईजु सुणौली रुन झुन,
मैं चानै रै गयूं वीके बाट।

अर्थातः- ए घुघूती (पहाड़ में पाए जाने वाला एक खूबसूरत पक्षी) तू ऐसे उदास स्वर में मत कुहुक, मेरे मायके के क्षेत्र में ऐसे उदास स्वर में मत कुहुक, मेरी माँ उदास हो जाएगी,मैं अपने भाई की राह देखती थक गई,लेकिन वह नहीं आया।

ब्याहता बहन अपने भाई से भेंट और भिटौली के लिए इतनी व्याकुल हो उठती है कि उसे स्वप्न में भी अपना भाई आते दीखता है:-

रितु ऐ गे रणा मणी, रितु ऐ रैणा।
डाली में कफुवा वासो, खेत फुली दैणा।
कावा जो कणाण, आजि रते वयांण।
खुट को तल मेरी आज जो खजांण,
इजु मेरी भाई भेजली भिटौली दीणा।
रितु ऐ गे रणा मणी,रितु ऐ रैणा।
वीको बाटो मैं चैंरुलो।
दिन भरी देली में भै रुंलो।
बैली रात देखछ मैं लै स्वीणा।
आँगन बटी कुनै ऊँनौछीयो
कां हुनेली हो मेरी वैणा ?
रितु रैणा,ऐ गे रितु रैणा।
रितु ऐ गे रणा मणी, रितु ऐ रैणा।।

भावार्थ :- रुन झुन करती ऋतु आ गई है।ऋतु आ गई है रुन झुन करती।

डाल पर कफुवा पक्षी कुंजने लगा।

खेतों मे सरसों फूलने लगी।

आज तड़के ही जब कौआ घर के आगे बोलने लगा।

जब मेरे तलवे खुजलाने लगे,तो मैं समझ गई कि-

माँ अब भाई को मेरे पास भिटौली देने के लिए भेजेगी।

रुन झुन करती ऋतु आ गई है।
ऋतु आ गई है रुन झुन करती।
मैं अपने भाई की राह देखती रहूँगी।
दिन भर दरवाजे में बैठी उसकी प्रतीक्षा करुँगी।
कल रात मैंने स्वप्न देखा था।
मेरा भाई आंगन से ही यह कहता आ रहा था -कहाँ होगी मेरी बहिन ?
रुन झुन करती ऋतु आ गई है।
ऋतु आ गई है रुन झुन करती।।

आज समूचा संसार अत्याधुनिक युग में प्रवेश कर चुका है। यातायात और संचार सुविधाओं में अकल्पनीय प्रगति हो गई है।

जनगणना 2027 की तैयारियों को मिला मजबूत आधार, 3 दिवसीय प्रशिक्षण का भव्य समापन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी जनगणना 2027 को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मनेन्द्रगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर सभा कक्ष में जिसमें जिले के फील्ड स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित और सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डी. राहुल वेंकट और जिला जनगणना अधिकारी अनिल कुमार सिदार के मार्गदर्शन में किया गया।

मास्टर ट्रेनर टी. विजय गोपाल राव और विनय मोहन भट्ट ने जनगणना कार्य के प्रत्येक पहलू की गहन जानकारी प्रदान की। तीन दिवसीय सघन प्रशिक्षण में जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया मकान सूचीकरण, परिवार आधारित जानकारी संकलन, डेटा की शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उपाय प्रपत्रों का सही उपयोग तथा तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। खासकर जनगणना के 34 महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विशेष ध्यान दिया गया जिनके उद्देश्य उत्तर दर्ज करने की विधि और संभावित त्रुटियों से बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण का विशेष पहलू इसका व्यवहारिक और तकनीकी स्वरूप था। प्रतिभागियों को फील्ड विजिट के दौरान वास्तविक परिस्थितियों में काम करने का अवसर मिला जहां उन्होंने टेस्ट एचएलओ एप के माध्यम से डाटा एंट्री सर्वेक्षण प्रक्रिया और फील्ड प्रबंधन का व्यावहारिक अभ्यास किया। इस दौरान संभावित चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने सभी फील्ड ट्रेनरों को शुभकामनाएं दीं और अप्रैल माह में अपने अपने क्षेत्रों में प्रगणकों को इस उच्च गुणवत्ता के प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए उन्होंने मकान सूचीकरण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता, ईमानदारी और सतर्कता के साथ कार्य पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। जनगणना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील प्रक्रिया है जिसके जरिए देश के विभिन्न सामाजिक और आर्थिक आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।

ये आंकड़े नीतिगत निर्णयों और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होते हैं। मनेन्द्रगढ़ में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनगणना 2027 की तैयारियों को नई मजबूती देने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार,देशी रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस बरामद

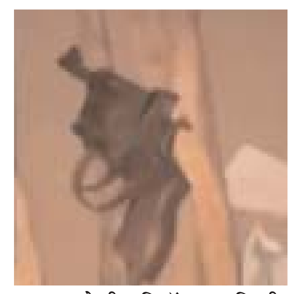

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में पुलिस ने होटल-ढाबा चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है इस कार्रवाई में एक देशी रिवॉल्वर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया जबकि आरोपी का एक साथी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार यह घटना 30 मार्च 2026 की रात करीब 12 बजे की है। सिल्वर पार्क होटल के पास मैदान में चेकिंग के दौरान पुलिस को एक सफेद रंग की बोलेरो कार में दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए पुलिस वाहन को देखकर एक युवक मौके से भाग निकला जबकि दूसरे को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस मिला पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम सुगन यादव (21 वर्ष) निवासी पहाड़ा थाना तेन्दुआ जिला शिवपुरी बताया तलाशी के दौरान उसकी कार की ड्राइवर सीट के पीछे कपड़े में लिपटी एक देशी रिवॉल्वर मिली, जिसके सिलेंडर में एक जिंदा कारतूस भरा हुआ था आरोपी रिवॉल्वर का कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका सुगन यादव ने अपने फरार साथी का नाम आकाश गुर्जर निवासी बामौर जिला मुरैना बताया पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 20 हजार रुपये कीमत की रिवॉल्वर और कारतूस के साथ साथ करीब 8 लाख रुपये कीमत की बोलेरो कार जब्त की है पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई पूरी कर आरोपी सुगन यादव को गिरफ्तार कर लिया है उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है ।

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी युवक की मौत, दतिया-भांडेर रोड पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दतिया में भांडेर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हादसा दतिया-भांडेर रोड पर उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान संदीप अहिरवार (20) के रूप में हुई है घायल पिता राकेश अहिरवार और मां भारती अहिरवार हैं जो मूल रूप से शिवपुरी जिले के राजपुरदयाल गांव के निवासी हैं और वर्तमान में दतिया की सिद्धार्थ कॉलोनी में रह रहे हैं जानकारी के अनुसार पूरा परिवार बाइक से भांडेर स्थित ध्वार वाली माता के दर्शन करने जा रहा था इसी दौरान रास्ते में ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने संदीप को मृत घोषित कर दिया वहीं पिता राकेश की हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है जबकि मां भारती का इलाज जिला अस्पताल में जारी है पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अग्निवीर भर्ती 2026 : युवाओं के लिए सेना में शामिल होने का सुनहरा मौका, 1 अप्रैल तक करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा करने का सुनहरा अवसर सामने आया है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा 2026 के लिए अग्निवीर भर्ती की अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी 1 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा दी गई है। जारी की गई अधिसूचना के अनुसार जिले के अविवाहित पुरुष और महिला अभ्यर्थी जिनकी जन्मतिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच है वे इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के विभिन्न पदों पर नियुक्ति की जाएगी जिसमें अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर और अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं और 10वीं पास) के पद शामिल हैं। इसके साथ ही सिपाही (फार्मा) के पद के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं लेकिन इस पद के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी ही पात्र होंगे। सिपाही (फार्मा) पद के लिए अभ्यर्थियों की जन्मतिथि 01 जुलाई 2002 से 01 जनवरी 2008 के बीच होनी चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है जिसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो अभ्यर्थी अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन कर चुके हैं वे लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए रोजगार विभाग के पोर्टल पर पंजीयन कर सकते हैं। इस पोर्टल पर अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता प्राप्त होगी, जो उन्हें भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में सफलता प्राप्त करने में मदद करेगी। भारतीय सेना में भर्ती के लिए यह एक बड़ा अवसर है, खासकर उन युवाओं के लिए जो देश सेवा की भावना से प्रेरित अग्निवीर भर्ती के तहत मिलने वाली नियुक्ति में सेना के विभिन्न विभागों में काम करने का अवसर मिलेगा, जो देश की सुरक्षा में योगदान करने के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास के भी कई अवसर प्रदान करेगा। भारतीय सेना में भर्ती होने के इच्छुक अभ्यर्थियों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द आवेदन करना चाहिए साथ ही इच्छुक युवाओं को आवेदन की प्रक्रिया के दौरान सभी निर्देशों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। (ताकि भर्ती प्रक्रिया में कोई परेशानी न हो। यह भर्ती प्रक्रिया जिले के युवाओं के लिए एक शानदार अवसर साबित हो सकती है, जिससे वे न केवल अपने करियर में ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं, बल्कि राष्ट्र की सेवा भी कर सकते हैं।

चना खरीदी के लिए 16केंद्र तय, 30 के बजाय 31 मार्च से होगी खरीदी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में रबी सीजन की फसल चना मसूर की खरीदी की तैयारी पूरी हो गई। जिले में चना उपार्जन के लिए अब तक 16 केंद्र तय किए है जहां पर 30 मार्च से खरीदी शुरू होगी जो 28 मई तक चलेगी सरकारी कार्यक्रम अनुसार 30 मार्च से खरीदी शुरू होगी लेकिन जिले में महावीर जयंती की सरकारी छुट्टी होने से खरीदी 31 मार्च से होगी। शासन ने इस बार चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5875 रुपए निर्धारित किया है उपार्जन केंद्रों पर चना बेचने के लिए 13265 किसानों ने पंजीयन कराएं है जिसके चलते 24 केंद्र बनना है अभी तक फिलहाल 16 केंद्र तय हो चुके है जिसमें 9 केंद्र सिवनी मालवा ब्लॉक के है। पिपरिया के दो, इटारसी, नर्मदापुरम, डोलरिया के एक एक केंद्र है नर्मदाचंल विपणन सहकारी संस्था को दो केंद्र मिले है सोहागपुर, बनखेड़ी और माखननगर तहसील के केंद्र नहीं बनाएं है।

3 शराब तस्कर गिरफ्तार, कार से 7 पेटी अंग्रेजी शराब ले जा रहे ग्वालियर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सुभाषपुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है पुलिस ने एक कार से अंग्रेजी शराब ले जा रहे तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से 7 पेटी में करीब 63 लीटर अंग्रेजी शराब और एक कार जब्त की गई है पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में अवैध शराब परिवहन रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सुभाषपुरा थाना पुलिस को 27 मार्च की रात मुखबिर से सूचना मिली मुखबिर ने बताया कि एक नीले रंग की कार में अवैध शराब भरकर तीन व्यक्ति शिवपुरी से ग्वालियर की ओर जा रहे हैं सूचना मिलने पर थाना प्रभारी राजीव दुबे ने एक टीम गठित की और इंदरगढ़ तहसील के सामने एनएच-46 पर वाहन चेकिंग शुरू कराई। चेकिंग के दौरान संदिग्ध कार को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई कार की डिग्गी से 7 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई इसमें 5 पेटी गोवा शराब और 2 पेटी 8 पीएम ब्रांड की शराब शामिल थी। पुलिस ने मौके से कार चालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान गब्बर नाथ (26) सुन्दर नाथ (30) निवासी ग्राम जलालपुर विसरख थाना विसरख जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) और अवलेश नाथ (30) निवासी ग्राम मानपुर बल्ला थाना जौरा, जिला मुरैना के रूप में हुई आरोपियों के पास शराब परिवहन का कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे शिवपुरी से सस्ती अंग्रेजी शराब भरकर ग्वालियर जिले के घाटीगांव क्षेत्र के समरिया में अपने रिश्तेदारों को सप्लाई करने जा रहे थे पुलिस ने जब्त शराब और कार के साथ आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

टोल प्लाजा रेट में 5 रूपये की बढ़ोतरी, एनुअल पास पर 75 रूपये ज्यादा लगेंगे; 1 अप्रैल से लागू होगी नई दरें

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने छत्तीसगढ़ से अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है इसमें बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है अब 1 अप्रैल से हर टोल प्लाजा से गुजरने पर 5 रुपए एक्स्ट्रा टैक्स देना होगा।

इसी तरह एनुअल (वार्षिक) पासधारकों को 75 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। राहत की बात है कि स्थानीय पासधारकों को पुराने दर पर ही सफर करने की छूट है। फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए टोल की नई दरें जारी कर दी हैं बिलासपुर जिले के 4 प्रमुख टोल प्लाजा भोजपुरी, मुढ़ीपार, पाराघाट और बगदेवा से रोजाना गुजरने वाले करीब एक लाख से ज्यादा वाहनों पर इसका सीधा असर पड़ेगा विशेष रूप से बिलासपुर से रायपुर और पड़ोसी जिलों के बीच आने-जाने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

NHAI की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में 5 से 10% शुल्क में बढ़ोतरी की गई है अलग-अलग टोल मैनेजमेंट और एनएचएआई से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक ये बढ़ोतरी 5 से लेकर 20 रुपए तक की है। रिंग रोड पर प्राइवेट के अलावा हल्के कॉमर्शियल वाहनों के लिए बढ़ोतरी नहीं की गई है यहां केवल भारी कॉमर्शियल गाड़ियों के लिए टोल रेटों में 5 से लेकर 20 रुपए तक बढ़ोतरी की गई है सालाना पास के लिए 3075 रुपए देने होंगे कार के लिए बनाए जाने वाले सालाना पास की कीमतों में 75 रुपए की बढ़ोतरी की ये बढ़ोतरी भी 1 अप्रैल से लागू होगी अभी सालाना पास 3 हजार रुपए में बनता है जिसमें 200 टोल बूथ क्रॉस करने की लिमिट होती है। 1 अप्रैल से बनने वाले सालाना पास के लिए अब 3075 रुपए देने पड़ेंगे बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। टोल टैक्स की दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं हर साल के अंत में इंडेक्स का मूल्यांकन कर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नए रेट जारी करता है टोल की राशि सड़क की लंबाई और उस पर बने इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे फ्लाईओवर, अंडरपास, टनल के आधार पर भी तय होती हैं। जहां ज्यादा सुविधाएं होती हैं वहां टोल भी ज्यादा लगता है सालाना रिवीजन के तहत बढ़ी कीमतें सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी तभी इसके नोटिफिकेशन में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह बढ़ोतरी उसी सालाना रिवीजन प्रक्रिया का हिस्सा है। देश भर में हाईवे टोल की दरों में बदलाव के लिए जो फॉर्मूला तय है उसी के आधार पर इस बार 2.5% की वृद्धि की गई है प्रदेश के सभी टोल प्लाजा पर कैश लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा जिन वाहनों में फास्टैग एक्टिव नहीं होगा उन्हें दोगुना टोल देना होगा यात्रियों की सुविधा के लिए प्लाजा पर 24 घंटे रिचार्ज और हेल्पडेस्क की सुविधा उपलब्ध रहेगी एनएचएआइ ने स्पष्ट किया है कि सड़क रखरखाव के खर्च को देखते हुए यह वार्षिक वृद्धि की गई है।

रॉन्ग साइड ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर, 19 वर्षीय युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में एनएच-46 पर बड़खेड़ा गांव के पास रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में उत्तरप्रदेश निवासी 19 वर्षीय अमित बंजारा ने दम तोड़ दिया पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अमित बंजारा उत्तरप्रदेश के औरैया जिले के अजीतमल थाना क्षेत्र के हुकूमपुर गांव का रहने वाला था वह फेरी लगाकर कपड़े बेचने का काम करता था करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ बाइक से म्याना की ओर जा रहा था। रॉन्ग साइड से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी बाइक की सीधी टक्कर हो गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद अमित को बदरवास स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कांग्रेस ने महंगाई अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

गैस-बिजली दर वृद्धि और ईंधन संकट उठाया, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन यह ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) कोलारस के माध्यम से भेजा गया इसमें गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतें और उसकी कमी, बिजली दरों में वृद्धि पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता और नगर में बढ़ते अतिक्रमण जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया गया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोलारस के अध्यक्ष बलभद्र सिंह धाकड़ के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र में रसोई गैस की आपूर्ति अनियमित है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है इसके अलावा, स्मार्ट मीटर लागू होने के बाद बिजली बिलों में हुई बढ़ोतरी और हाल ही में हुई दर वृद्धि पर भी कांग्रेस ने आपत्ति जताई है ज्ञापन में किसानों की समस्याओं का भी उल्लेख किया गया।

कांग्रेस ने बताया कि वर्तमान में खेती का सीजन होने के बावजूद डीजल-पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता नहीं हो पा रही है, जिससे किसानों को कृषि कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है कोलारस नगर में बढ़ते अतिक्रमण पर भी कांग्रेस ने चिंता व्यक्त की।

पार्टी ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की उदासीनता के कारण शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे हो रहे इसके परिणामस्वरूप सड़कें संकरी हो गई हैं जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से इन सभी समस्याओं का जल्द निराकरण करने की मांग की। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

रिवर्स राइटिंग में नेशनल रिकॉर्ड्स बनाने वाली महिला की कहानी, 25 साल में मिरर इमेज में लिखी रामचरित मानस, गीता, बाइबिल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पल्लवी पारे चौकसे ने अपनी विलक्षण मिरर इमेज (रिवर्स राइटिंग) कला के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है पल्लवी ने 25 साल में अपनी विधा से हिंदी को रिवर्स राइटिंग में लिख इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 में अपना नाम दर्ज कराया है। पल्लवी की यह यात्रा सन 2000 में शुरू हुई थी, जब उन्होंने अपने अध्ययन के दौरान नोट्स को कभी सीधे तो कभी उलटे अक्षरों में लिखना शुरू किया उनकी इस नैसर्गिक प्रतिभा को उनके पिता अरुण पारे ने समय रहते पहचाना और इसे निखारने के लिए सदैव प्रोत्साहित किया वहीं उनकी माता अलका पारे से मिले उच्च धार्मिक संस्कारों ने उनके इस लेखन को आध्यात्मिक मार्ग की ओर अग्रसर किया। पिछले ढाई दशकों की इस लंबी और कठिन साधना में पल्लवी ने तुलसीकृत सम्पूर्ण श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता, मधुशाला और बाइबिल (नया विधान) जैसे महान ग्रंथों को रिवर्स राइटिंग में पूरी श्रद्धा के साथ उतारा है। 25 साल में पल्लवी ने धार्मिक ग्रंथ के साथ साहित्यिक बुक्स गीतांजलि, मधुशाला समेत 25 बुक्स का रिवर्स राइटिंग में लेखन किया है। पल्लवी की इस अभूतपूर्व सफलता में विवाह के बाद उनके पति महेंद्र चौकसे ने न केवल पल्लवी की इस अनूठी कला का पूरा सम्मान किया बल्कि एक सच्चे मार्गदर्शक की तरह हर कदम पर उनका संबल बने रहे उन्होंने यह किया कि परिवार की जिम्मेदारियों के बीच भी पल्लवी की यह साधना निर्बाध चलती रहे महेंद्र चौकसे के अटूट विश्वास और निरंतर सहयोग के कारण ही आज पल्लवी इस ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचने में सफल रही हैं। पल्लवी ने बताया सबसे पहले वे कॉलेज में थी तब दोस्तों को बताती थी कि मैं रिवर्स राइटिंग में लिख लेती हूं अखबारों में आने वाले लेख खेल खेल में लिखती थी पिता ने मेरे हुनर को देखा उन्होंने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। मैंने रामचरित मानस ग्रन्थ लिखी साल 2009 में श्री सत्य साईं बाबा से मिलने का सौभाग्य मिला सत्य साईं बाबा ने 'रिवर्स राइटिंग' में लिखित सम्पूर्ण श्रीरामचरितमानस को अपने कर-कमलों से स्पर्श कर अनुग्रहित किया इसके बाद मेरा लिखने के लिए मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।

सिवनी में फ्लाई ऐश से भरा डंपर पलटा नेशनल हाईवे पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। नेशनल हाईवे-34 पर बंजर गांव के पास फ्लाई ऐश (राख) से भरा एक डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में डंपर चालक और परिचालक सुरक्षित बच गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे हुई। फ्लाई ऐश से लदा डंपर हाईवे-34 से गुजर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन तेज गति में था। बंजर गांव के पास पहुंचते ही चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप डंपर सड़क किनारे पलट गया। डंपर पलटने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे।हादसे के बाद घटनास्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। शुरुआत में चालक और परिचालक के घायल होने की आशंका थी, लेकिन वे दोनों सुरक्षित बाहर निकल आए। चालक की पहचान सुखदेव मर्सकोले (38 वर्ष) और परिचालक की पहचान अमन यादव (29 वर्ष) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने राहत कार्यों में सहयोग किया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया। डंपर के सड़क किनारे पलटने से हाईवे पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हुआ। बाद में क्रेन की मदद से डंपर को हटाया गया और यातायात सामान्य कर दिया गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगा रहे हैं लखनादौन थाना प्रभारी केपी धुर्वे ने बताया कि डंपर पलटने की सूचना मिली थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय डंपर के आसपास कोई अन्य वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था। यदि ऐसा होता तो दुर्घटना अधिक गंभीर हो सकती थी।

सिंगरौली में स्कॉर्पियो ने ऑटो को मारी टक्कर चालक समेत तीन गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के नवानगर थाना क्षेत्र में रविवार रात तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना जयंत चौकी अंतर्गत वार्डर सीएमपीटीआई के सामने हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से आ रही स्कॉर्पियो ने ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा : हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए एनसीएल के नेहरू अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर नवानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन को जब्त कर लिया है और चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।'

रतलाम में युवक ने लगाई फांसी, मौत:प्रतियोगी परीक्षा की कर रहा था तैयारी, पुलिस भर्ती का दिया था एग्जाम, पत्नी एक माह से मायके में

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम शहर की पीएंडटी कॉलोनी में एक 22 साल के युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सोमवार सुबह उसका शव घर में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। युवक घर में अकेला था। मृतक की पहचान राम सिंघाड़ निवासी गजनीखेड़ी के रूप में हुई है। वह रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र में किराए के मकान में रहता था। सुबह जब युवक नहीं उठा तो मकान मालिक ने जाकर देखा। दरवाजा अंदर से खुला था। युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। तब पुलिस व अन्य लोगों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया और परिजनों को सूचना दी।

खंडवा में ओवरटेक करती बाइक ने युवती को मारी टक्कर:ट्रैक्टर ने कुचला; साइकिल से लौट रही 18 वर्षीय छात्रा की मौके पर गई जान

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के हरसूद-छनेरा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें 18 वर्षीय युवती की जान चली गई। साइकिल से घर लौट रही युवती को पहले तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मारी, जिसके बाद वह सड़क पर गिर गई और पीछे से आ रहे ट्रैक्टर के नीचे आ गई। घटना 24 मार्च की शाम करीब 6 बजे की है, जिसका वीडियो आज (सोमवार) सामने आया है। पुलिस जांच के दौरान घटनास्थल के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के छ्ष्टञ्जङ्क फुटेज सामने आए, जिससे हादसे की पूरी तस्वीर साफ हो गई। फुटेज में युवती अपनी साइड में साइकिल चलाते हुए दिखाई दे रही है। इसी दौरान एक बाइक सवार ट्रैक्टर को ओवरटेक करते हुए तेज गति से आया और उसने युवती को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद ट्रैक्टर से कुचलने से मौत : टक्कर लगते ही युवती उछलकर सड़क पर गिर गई। उसी समय पीछे से आ रहा ट्रैक्टर उसके ऊपर से गुजर गया। मौके पर मौजूद लोगों और पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

खेत से घर लौट रही थी युवती : मृतका की पहचान 18 वर्षीय सुंस्कृति पिंजारा के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार वह खेत से घर लौट रही थी। परिवार तरबूज की फसल निकाल रहा था और उसे शाम के भोजन की तैयारी के लिए पहले घर भेजा गया था।

NDPS कांड में सेटिंग से लेकर देरी तक बड़ा खेल?

सेमरिया मामला गरमाया IG,DIG,SP की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। NDPS Act से जुड़े सेमरिया कांड ने अब नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। पहले आरोपियों को घंटों थाने में बैठाकर फोन कॉल के बाद छोड़ने का मामला सामने आया और अब कार्रवाई में हो रही देरी ने पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कई दिन बीत जाने के बावजूद ठोस कार्रवाई का अभाव पुलिस प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सीधा प्रश्नचिह्न लगा रहा है। गौरतलब है कि यह पूरा मामला कोटर थाना जिला सतना के अबेर गांव से पकड़े गए दो आरोपियों अभिषेक और अमित से जुड़ा है जिन्हें NDPS Act के तहत हिरासत में लिया गया था। सूत्रों के मुताबिक दोनों को सेमरिया थाने लाकर करीब 6 घंटे तक निरीक्षक के कमरे में बैठाकर रखा गया और बाद में एक फोन कॉल के बाद छोड़ दिया गया। यह घटनाक्रम सामने आते ही पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालों की बौछार शुरू हो गई थी।

जानकारी के अनुसार आरोपियों को थाने में विधिवत गिरफ्तारी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करने के बजाय सीधे निरीक्षक कक्ष में बैठाया गया। इस दौरान कथित रूप से साथ बैठक का दौर चला जबकि NDPS Act जैसे सख्त कानून में हर प्रक्रिया का विधिसम्मत होना अनिवार्य होता है। इसी बीच सेमरिया थाना प्रभारी जो उस समय रीवा में निजी कार्य से मौजूद थे उनसे लगातार फोन पर बातचीत होती रही और देर शाम अचानक दोनों आरोपियों को छोड़ने का फैसला लिया गया।

मामले में अब एक और सनसनीखेज पहलू सामने आ रहा है। चर्चा यह भी है कि आरोपियों को केवल थाने में ही नहीं बल्कि निजी निवास तक ले जाकर बैठाने और वहीं से फैसला होने की बात भी जांच के दायरे में शामिल की गई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन इस एंगल ने पूरे मामले को और अधिक संदिग्ध बना दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी समय रहते आईजी, डीआईजी, एसपी और एडिशनल एसपी तक पहुंच चुकी थी तो फिर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या जांच को जानबूझकर लंबा खींचा जा रहा है या फिर अंदरखाने कोई दबाव काम कर रहा है?

स्थानीय लोगों और जानकारों के बीच यह चर्चा तेजी से फैल रही है कि कहीं दागी पुलिसकर्मियों को बचाने का प्रयास तो नहीं हो रहा। NDPS Act जैसे कड़े कानून में इस तरह की कथित लापरवाही और फिर कार्रवाई में देरी दोनों ही स्थितियां पुलिस की साख को नुकसान पहुंचाने वाली मानी जा रही हैं।

इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि नशे जैसे गंभीर अपराधों में भी इस तरह की ढिलाई और देरी बरती जाएगी तो कानून का डर खत्म हो जाएगा और अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे। इससे न केवल अपराध नियंत्रण पर असर पड़ेगा बल्कि आम जनता का विश्वास भी डगमगा सकता है। फिलहाल सेमरिया कांड रीवा रेंज के लिए एक बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल क्या NDPS कांड में सेटिंग के बाद अब सिस्टम की चुप्पी भी उजागर हो रही है या फिर जल्द ही दोषियों पर कड़ी कार्रवाई देखने को मिलेगी?

पिपरिया में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

एक युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया बनखेड़ी रोड पर रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। मंगलवारा पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बनखेड़ी निवासी मयंक ठाकुर (25) के रूप में हुई है।

बाइक पर उनके साथ सवार उनके भाई संजय को मामूली चोटें आई हैं। राहगीरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया घटना रविवार देर शाम रामपुर के आगे बासखेड़ा के बीच एक वेयरहाउस के पास हुई। हादसे के बाद मृतक के चाचा पवन ने 112 पर सूचना दी। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को पिपरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मयंक ठाकुर को मृत घोषित कर दिया, जबकि संजय को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मंगलवारा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

बैतूल में घर के फ्रिज के नीचे मिला रसेल

कोबरा से भी खतरनाक है इसका जहर

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सोमवार को एक घर के किचन में फ्रिज के नीचे एक रसेल वाइपर सांप पाया गया। सांप कंप्रेसर के पास छिपा हुआ था और धीरे-धीरे किचन तक पहुंच गया था, जिससे परिवार में चिंता फैल गई। कॉलोनी निवासी रितेश खंडेलवाल के परिवार ने सांप को देखते ही तुरंत सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा को सूचना दी।

सूचना मिलने पर विशाल विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फ्रिज के नीचे छिपे होने के कारण सांप को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। काफी मशक्कत के बाद सर्पमित्र ने रसेल वाइपर को सुरक्षित रूप से पकड़ा और उसे बिना किसी नुकसान के जंगल में एक सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

भारत के सबसे विषैले सांपों में से एक : सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा ने बताया कि रसेल वाइपर भारत के सबसे विषैले सांपों में से एक है। इसका जहर रक्त को जमने से रोकता है और आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है, जो समय पर उपचार न मिलने पर घातक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रसेल वाइपर और कोबरा दोनों ही अत्यंत विषैले होते हैं।

लेकिन उनके जहर का प्रभाव भिन्न होता है।

कोबरा का जहर तंत्रिका तंत्र पर सीधा हमला करता है, जिससे लकवा और श्वसन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके विपरीत, रसेल वाइपर का जहर रक्त को प्रभावित करता है, जिससे शरीर के भीतर गंभीर रक्तस्राव और अंगों को क्षति पहुँचती है। कई मामलों में रसेल वाइपर का दंश अधिक जटिल और खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इसके लक्षण तेजी से बिगड़ सकते हैं।

गर्मी में ठंडी जगह की तलाश में रहते हैं : विशेषज्ञों ने बताया कि गर्मी के मौसम में सांप ठंडी और अंधेरी जगहों की तलाश में घरों में प्रवेश कर जाते हैं, खासकर फ्रिज या कूलर के आसपास। ऐसी स्थिति में लोगों को सतर्क रहने और सांप दिखने पर स्वयं उसे पकड़ने का प्रयास न कर तुरंत किसी विशेषज्ञ या सर्पमित्र को सूचित करने की सलाह दी जाती है। इस घटना में समय रहते हुए सांप का रेस्क्यू होने से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

39 डिग्री में तपा रायसेन, सांची स्तूप पर सन्नाटा

तेज गर्मी से पर्यटकों की संख्या घटी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में इस सीजन में पहली बार दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भीषण गर्मी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है।

दोपहर के समय शहर की सड़कें सूनी नजर आईं, वहीं विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची स्तूप पर भी सन्नाटा पसरा रहा। तापमान 39 डिग्री के पार पहुंचते ही सांची स्तूप पर पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। कुछ दिन पहले तक जहां हजारों की संख्या में सैलानी पहुंच रहे थे, वहीं अब यह संख्या बेहद कम रह गई है। खासतौर पर दोपहर के समय स्तूप परिसर लगभग खाली नजर आता है।

छाते और छांव का सहारा ले रहे पर्यटक : जो इक्का-दुक्का पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं, वे तेज धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए छाते का उपयोग कर रहे हैं। पर्यटक छांव तलाशते हुए और खुद को पूरी तरह ढंककर गर्मी से बचाव करते दिखाई दे रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, सर्दियों में सांची में रोजाना 3 से 4 हजार पर्यटक पहुंचते थे, जबकि सामान्य दिनों में यह संख्या करीब 2 हजार रहती है। जनवरी में 30,162 भारतीय और 415 विदेशी पर्यटक आए थे। फरवरी में यह संख्या घटकर 24,436 भारतीय और 541 विदेशी पर्यटक रह गई। पर्यटन कारोबार पर भी असर : तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप ने सांची घूमने के उत्साह को कम कर दिया है। इसका सीधा असर स्थानीय पर्यटन उद्योग और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। होटल, गाइड और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों की आमदनी प्रभावित हो रही है।

बैतूल में 6 जुआरी गिरफ्तार, 11,510 रुपए जब्त: ईंट भट्टे के पास पुलिस ने दबिश देकर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गंज थाना पुलिस ने जुआ खेलते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11,510 रुपए नकद और ताश के पत्ते जब्त किए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हमलापुर क्षेत्र में एक ईंट भट्टे के पास छिंद के पेड़ के नीचे कुछ लोग पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और सभी छह आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रोहित सेन (25), अशोक ठाकुर (40), बबलू सूर्यवंशी (20), हैदर शेख (30), शाहिद शेख (35) और राजकुमार प्रजापति (45) के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी अलग-अलग क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 52 ताश के पत्ते और 11,510 रुपए नकद जब्त किए हैं। सभी छह आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी और एसडीओपी सुनील लाटा के मार्गदर्शन में की गई। इस टीम में थाना प्रभारी नीरज पाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

नीमच में बारिश-ओले गिरे, पारा 4 डिग्री लुढ़का

कटी रखी गेहूं-मेथी की फसलें भीगीं, किसानों की चिंता बढ़ी

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच जिले में सोमवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। दोपहर में तेज बारिश हुई और कुछ स्थानों पर हल्के ओले भी गिरे। इससे तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जो 35 डिग्री से घटकर 31 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इस बदलाव ने आमजन को गर्मी से राहत दी, लेकिन किसानों के लिए चिंता बढ़ा दी है। सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे आसमान में बादल छा गए और 1 बजे तक कहीं रिमझिम तो कहीं तेज बारिश हुई। इसके बाद दोपहर 2 बजे एक बार फिर हल्की बारिश शुरू हो गई, जिससे सड़कों पर वाहनों की गति धीमी पड़ गई।

मौसम हुआ ठंडा यह मौसमी बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण हुआ है। शनिवार को जहां लोग 35 डिग्री की गर्मी से परेशान थे, वहीं सोमवार की बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी।

यह बारिश ऐसे समय हुई है जब खेतों में रबी की फसलों की कटाई और गहाई का काम चल रहा है। जिन किसानों ने गेहूं, मेथी और अन्य फसलें काटकर खेतों में रखी थीं, वे बारिश में पूरी तरह भीग गईं। इससे उपज की गुणवत्ता खराब होने और नुकसान की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते जिले में पहले ही 'येलो अलर्ट' जारी किया था। विभाग ने तापमान में गिरावट और गर्जना के साथ बारिश का अनुमान जताया था, जो सोमवार को नीमच शहर सहित पूरे अंचल में देखने को मिला। अगले 24 घंटों में भी बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे रात के तापमान में भी गिरावट आ सकती है।

कुर्सी विवाद में मारपीट का वीडियो वायरल:छतरपुर में चार आरोपी हिरासत में, न्यायालय में पेश

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कुर्सी पर बैठने को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। यह घटना बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम के पास रात के समय हुई। मामूली बात पर शुरू हुआ यह विवाद देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया।

मारपीट में अभिषेक यादव नामक युवक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।सिविल लाइन थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया। चार आरोपियों को हिरासत में लेकर उन पर धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई है। उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रात में स्टेडियम के पास कुछ युवक कुर्सी पर बैठने को लेकर आपस में बहस कर रहे थे, जो बाद में मारपीट में बदल गई। वायरल वीडियो में कई युवक एक-दूसरे पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी। यदि इस घटना में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएल 2026: मुंबई के ये 5 खिलाड़ी बन सकते हैं केकेआर के लिए बड़ा सिरदर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला रविवार को मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला जाएगा। आइए आपको मुंबई के उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो इस मुकाबले में केकेआर के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। रोहित शर्मा– मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को केकेआर के खिलाफ खेलना काफी पसंद आता है। रोहित आईपीएल में कोलकाता के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में भी दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 35 पारियों में 1083 रन बनाए हैं। रोहित का अगर बल्ला चला, तो केकेआर के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोक पाना आसान नहीं होगा। रयान रिकेल्टन– आईपीएल 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी रयान रिकेल्टन ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। उन्होंने 14 मुकाबलों में 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 388 रन बनाए थे। रिकेल्टन की हालिया फॉर्म भी काफी अच्छी चल रही है। टी20 विश्व कप 2026 में भी उन्होंने 8 मुकाबलों में 170 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 228 रन बनाए थे। रिकेल्टन केकेआर के गेंदबाजों के लिए खासतौर पर पावरप्ले में बड़ा सिरदर्द बन सकते हैं।

सूर्यकुमार यादवः मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को वानखेड़े का मैदान खूब पसंद आता है। इस ग्राउंड पर उन्होंने 39 पारियों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,394 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार वानखेड़े में दो शतक और 11 अर्धशतक लगा चुके हैं। सूर्यकुमार अगर अच्छी लय में नजर आए, तो केकेआर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

जसप्रीत बुमराहः मुंबई के गेंदबाजी अटैक की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले जसप्रीत बुमराह कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाजों के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। बुमराह पावरप्ले के साथ-साथ अंतिम ओवरों में भी अपनी शानदार गेंदबाजी से मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। बुमराह का रिकॉर्ड वानखेड़े में शानदार रहा है।

शेरफेन रदरफोर्डः गुजरात टाइटंस से ट्रेड किए गए वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड से केकेआर के गेंदबाजों को बचकर रहना होगा। रदरफोर्ड ने पिछले सीजन में खेले 13 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 291 रन बनाए थे। रदरफोर्ड अपनी तूफानी बल्लेबाजी के दम पर किसी भी समय मैच को पलटने की काबिलियत रखते हैं। रदरफोर्ड का इस्तेमाल मुंबई इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर कर सकती है।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी, एजेंसी। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा %सनशाइन डबल% पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं। साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं। टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं।ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ÷मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।÷ यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर-अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए ग्रीन के गेंदबाजी ना करने पर बोले कप्तान रहाणे

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर की ओर से कैमरून ग्रीन ने इस मुकाबले में गेंदबाजी नहीं की। इसको लेकर जब कप्तान अजिंक्य रहाणे से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस बात का जवाब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मांगने की सलाह दी। कैमरून ग्रीन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने 10 गेंदों में एक चौके एक छक्के की मदद से 18 रन बनाए। हालांकि, मुंबई के बल्लेबाजों की शानदार बैटिंग के बावजूद कैमरून ग्रीन को गेंदबाजी अटैक पर नहीं लगाया गया। मैच के बाद ग्रीन के गेंदबाजी ना करने का कारण पूछा गया, जिसके जवाब में रहाणे ने कहा, ÷आपको यह सवाल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए।÷ रहाणे ने उम्मीद जताई कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी करना शुरू करेंगे, जिससे टीम के गेंदबाजी अटैक का संतुलन बेहतर होगा। उन्होंने कहा, ÷उम्मीद है कि ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू कर देंगे और कॉम्बिनेशन थोड़ा अलग होगा। हमने बहुत अच्छी बैटिंग की, लेकिन गेंद के साथ संतुलन बनाना बहुत जरूरी है।÷ केकेआर ने ग्रीन को ऑक्शन में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। केकेआर के गेंदबाज 221 रनों के विशाल लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रहे। वैभव अरोड़ा काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ एक विकेट लेकर 52 रन खर्च किए। वहीं, ब्लेसिंग मुजारबानी ने 3 ओवर में बिना कोई विकेट चटकाए 34 रन दिए। वरुण चक्रवर्ती भी काफी महंगे रहे और उन्होंने 4 ओवर में 10.80 की इकोनॉमी से 48 रन दिए। वरुण के हाथ एक भी सफलता नहीं लगी। सुनील नरेन भी 3 ओवर में 30 रन देने के बाद सिर्फ एक ही विकेट निकाल सके। कार्तिक त्यागी का भी हाल कुछ ऐसा ही रहा और उन्होंने 43 रन देकर एक विकेट चटकाया।

हालांकि, केकेआर के बल्लेबाजों का प्रदर्शन जरूर दमदार रहा। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। वहीं, अंगकृष रघुवंशी ने महज 29 गेंदों का सामना करते हुए 51 रनों की शानदार पारी खेली।

फिन एलन भी अच्छी लय में दिखाई दिए, और उन्होंने 17 गेंदों में 37 रन बनाए। अंत के ओवरों में रिंकू सिंह ने 21 गेंदों में नाबाद 33 रनों का योगदान दिया।

10वीं चश्मा शाह टीम गोल्फ चैंपियनशिप में जोरदार मुकाबला देखने को मिला

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रतिष्ठित चश्मा शाह टीम गोल्फ चैंपियनशिप का 10वां संस्करण चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में संपन्न हुआ। इस आयोजन में पूरे क्षेत्र से गोल्फ के शौकीन दो दिनों तक चले ज़ोरदार और जोशीले मुकाबले के लिए एक साथ जुटे। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की शानदार भागीदारी देखने को मिली, साथ ही उनमें ज़बरदस्त प्रतिभा, खेल भावना और आपसी भाईचारा भी नज़र आया। नेट कैटेगरी के ओवरऑल टीम नतीजों में, टीम इनारा बी (अर्शदीप तिवाना और रणदीप चोंकर) 222.8 के स्कोर के साथ ग्रुप ए में विजेता बनी, जिसके बाद जूकी बीन्स (विकी जंजुआ और अरविंद बजाज) 224.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही। ग्रुप बी में, जी बी लेजेंड्स (नौनिहाल सिंह और एम पी सिंह) ने 223.8 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि ए डी एस फाल्कन्स (अजय वधवा और अनुराग चोपड़ा) 226.8 के स्कोर के साथ उपविजेता रही। डबल पियोरिया फॉर्मेट के तहत, फेयरवे हॉक्स (रविबीर सिंह और रमन गिल) ने 209.5 के स्कोर के साथ ग्रुप ए जीता, और डेविल्स ओन (हरजोत सिद्धू और परमप्रीत सिद्धू) 211.1 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रही। ग्रुप बी में, ग्रीज़ली ग्रिज़ली बडीज़ (धर्मेंद्र बोहरा और इमरान) 209 अंकों के साथ विजेता बने, जबकि ओशन होम्स (ब्रह्मा प्रकाश मुंद्रा और रविंदर नाथ) 211 अंकों के साथ उपविजेता रहे।

इस बीच, 2-दिवसीय टूर्नामेंट के पहले दिन (दिन 1), बर्डी बैंडिट्स (बॉबी संधू और संजय तलवार) 62.4 के स्कोर के साथ ग्रुप ए में सर्वश्रेष्ठ टीम बनकर उभरे, जबकि बीयर्स एंड चियर्स (एम. के मोहंती और अक्षय ओझा) 63.2 के स्कोर के साथ ग्रुप बी में सबसे आगे रहे।

समापन दिवस (दिन 2) पर, व्यक्तिगत प्रदर्शन सबसे ज्यादा चर्चा में रहा, जिसमें अर्शदीप तिवाना ने 74 का सर्वश्रेष्ठ ग्रॉस स्कोर दर्ज किया। रुहैल सिंह आज़ाद ने डबल पियोरिया फ़ॉर्मेट में 68.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत ख़िताब हासिल किया। संजीव चौधरी ने 'क्लोसेस्ट टू पिन ' पुरस्कार जीता, जबकि पीयूष खंडका ने 'स्ट्रेटेस्ट ड्राइव ' का खिताब अपने नाम किया। इस कार्यक्रम में विशेष सम्मान पुरस्कार भी दिए गए; डॉ. आर. एस चौधरी को सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया, जबकि प्रेशियस बंसल को सबसे कम उम्र के प्रतिभागी के रूप में पहचान मिली। यह चैंपियनशिप बेहतरीन कोर्स स्थितियों और उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए जानी गई। आयोजकों ने इस कार्यक्रम को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए सभी खिलाड़ियों, प्रायोजकों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। चश्मा शाह टीम गोल्फ चैंपियनशिप एक प्रमुख गोल्फ़िंग कार्यक्रम के रूप में अपनी विरासत को लगातार मजबूत कर रही है, जो गोल्फ़िंग समुदाय के भीतर प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता और आपसी जुड़ाव दोनों को बढ़ावा देती है।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी, एजेंसी। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने सनशाइन डबल भी पूरा किया। जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है। जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, ÷यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।÷ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है। शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना सनशाइन डबल पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है। सबसे पहली बार यह कारनामा साल 1994 में हुआ था। सैम्प्रास और स्टेफी ग्राफ ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में जीत हासिल की थी।वहीं, 2005 में फेडरर और किम क्लिस्टर्स ने यह खास उपलब्धि हासिल की थी, जबकि 2016 में जोकोविच और विक्टोरिया अजारेंका ने सनशाइन डबल पूरा किया था।

एटीपी रैंकिंग में सिनर अब कार्लोस अल्काराज से 1,190 प्वाइंट पीछे हैं। दूसरी ओर, 24 वर्षीय लेहेका अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे।

मुंबई बनाम केकेआर: अल्लाह गजनफर के लिए निराशाजनक रहा डेब्यू मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में रविवार को मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। हालांकि, मुंबई की ओर से आईपीएल में अपना डेब्यू करने वाले अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज अल्लाह गजनफर के लिए यह मुकाबला निराशाजनक रहा। इस लीग में डेब्यू करते हुए गजनफर ने दूसरे सबसे महंगा स्पेल डालने का अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया। अल्लाह गजनफर ने केकेआर के खिलाफ अपने चार ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट चटकाए 51 रन खर्च किए। अफगानी गेंदबाज ने 12.80 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। आईपीएल के डेब्यू मुकाबले में सबसे महंगा स्पेल फेंकने का शर्मनाक रिकॉर्ड प्रयास रे बर्मन के नाम दर्ज है। उन्होंने साल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर में 56 रन दिए थे। गजनफर केकेआर के खिलाफ अपनी लाइन और लेंथ से भटके नजर आए, जिसका भरपूर फायदा कोलकाता के बल्लेबाजों ने उठाया। गजनफर को आईपीएल 2025 के ऑक्शन में मुंबई ने 4.80 करोड़ रुपए में खरीदा था। वहीं, आईपीएल 2026 के लिए टीम ने उन्हें रिटेन किया था। वानखेड़े के मैदान पर मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड जारी रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 220 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 40 गेंदों में 67 रनों की दमदार पारी खेली जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 29 गेंदों में 51 रन बनाए।

राजस्थान पुलिस की जीत का जलवा

तेलंगाना को 3-0 से दी करारी शिकस्त

हैदराबाद, तेलंगाना, एजेंसी। 74वीं बी.एन. मुलिक मेमोरियल (ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल) चैंपियनशिप में राजस्थान पुलिस फुटबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। घरेलू टीम तेलंगाना पुलिस को 3-0 के एकतरफा स्कोर से हराकर राजस्थान पुलिस ने मैदान पर अपना दबदबा साबित किया। मैच के दौरान राजस्थान के खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और टीम वर्क का लोहा मनवाया, जिससे विरोधी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। मैच का सारांश

टूर्नामेंट– 74वीं बी.एन. मुलिक मेमोरियल चैंपियनशिप

मैदान– हैदराबाद, तेलंगाना

स्कोर– राजस्थान पुलिस (3) ङ्क तेलंगाना पुलिस (0)

गोल के हीरो और मुख्य प्रदर्शन

जयेश– बैक-टू-बैक 2 शानदार गोल दागे, तेलंगाना के डिफेंस को चकमा दिया।

युवराज सिंह– 1 शानदार गोल दागकर टीम की जीत पक्की की।

पुलिस कमिश्नर का उत्साहवर्धन

साइबराबाद पुलिस कमिश्नर ने टीम से मुलाकात कर खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल और अनुशासन की सराहना की। कमिश्नर से मिली इस तारीफ ने खिलाड़ियों का मनोबल और बढ़ा दिया।

जीत के पीछे की मजबूत टीम मैनेजमेंट

मैनेजर– वसीम अहमद

मुख्य कोच– रोशन अली

सहायक कोच– तरुण कुमार

फिजियो– डॉ. हैदर अली पाठन

आईपीएल 2026 रोहित-रिकल्टन का अर्धशतक एमआई ने केकेआर को 6 विकेट से हराया

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने अपने सफर का आगाज जीत के साथ किया है। रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन की धमाकेदार पारियों की बदौलत एमआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। 2012 के बाद से एमआई ने पहली बार किसी सीजन का पहला मुकाबला जीता है। जीत के लिए 221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई को रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन की साझेदारी की। रोहित पहले विकेट के रूप में 78 रन बनाकर आउट हुए। 38 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने 6 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने 23 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी था। रिकल्टन ने भी 43 गेंदों पर 8 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 81 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव 8 गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 14 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। हार्दिक 11 गेंदों पर 18 और नमन धीर 2 गेंदों पर 5 रन बनाकर नाबाद रहे। एमआई ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर जीत दर्ज की। एमआई ने 4 विकेट पर 224 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और सुनील नरेन ने 1-1 विकेट लिए।टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने 4 विकेट पर 220 रन बनाए थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना नहर लाइनिंग कार्य का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सी.सी. लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह महत्वाकांपरियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफ स्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गांवों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, राम किंकर वर्मा, मनीराम साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। वर्तमान में इन नहरों के माध्यम से लगभग 1045 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026: वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में अरुणाचल पुरुष और असम महिला वर्ग में ओवरऑल चैम्पियन

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी लहराया परचम, रिशिका कश्यप ने रजत और लकी बाबू मरकाम ने जीता कांस्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता समापन के साथ ही चैम्पियनशिप टीम के परिणाम भी घोषित किए गए, जिसमें पुरुष वर्ग में अरुणाचल प्रदेश ने ओवरऑल चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं मिजोरम फर्स्ट रनरअप और असम सेकंड रनरअप रहा। महिला वर्ग में असम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि ओडिशा फर्स्ट रनरअप और छत्तीसगढ़ सेकंड रनरअप रहा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं का शानदार समापन हो गया। पूरे आयोजन के दौरान देशभर से आए खिलाड़ियों ने ताकत, तकनीक और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। समापन समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और रायपुर महापौर मीनल चौबे विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

प्रतियोगिता के प्रमुख मुकाबलों की बात करें तो पुरुष 110 किलोग्राम भार वर्ग में अरुणाचल प्रदेश के साम्बो लापुंग ने 299 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मिजोरम के डेविड लालजाव्मडिका ने 270 किलोग्राम के साथ रजत और छत्तीसगढ़ के लकी बाबू मरकाम ने 261 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। लकी बाबू का यह प्रदर्शन घरेलू दर्शकों के लिए गर्व का क्षण रहा। वहीं पुरुष 110. किलोग्राम वर्ग में मिजोरम के डेविड जोह्मिंगमाविया ने 290 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक जीता। आंध्र प्रदेश के गुगुलोथु राजा शेखर (255 किग्रा) को रजत और असम के मनाश प्रतिम सोनवाल (223 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। इस वर्ग में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। 86 किलोग्राम वर्ग में महाराष्ट्र की साबंडु बुरकुले ने 150 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

ग्राफ्टेड बैंगन की उन्नत खेती से अमृत बंजारे की आर्थिक स्थिति हुई सुदृढ़

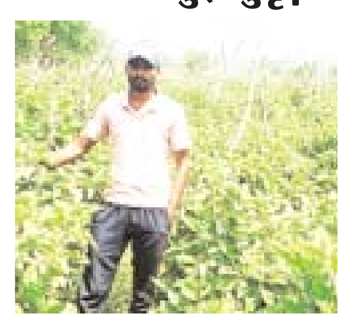

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बंजारे बताती है कि अब तक लगभग 80 टन बैंगन का उत्पादन कर चुकी है, जिससे उन्हें लगभग 9 लाख 60 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई है। यह आय उनकी पूर्व की पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आई है। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के विकासखंड महासमुंद अंतर्गत ग्राम बम्बुरडीह की सफल कृषक अमृत बाई बंजारे, श्री शुद्धुराम बंजारे ने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अमृत बंजारे बताती है कि उनकी शैक्षणिक योग्यता 5वीं कक्षा तक है। पूर्व में वे अपनी कुल 2.87 हेक्टेयर भूमि में परंपरागत रूप से धान की खेती किया करती थीं, जिसमें उत्पादन अपेक्षाकृत कम एवं लागत अधिक होने के कारण उन्हें पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी 1.45 हेक्टेयर सिंचित भूमि में ग्राफ्टेड बैंगन (किस्म टछत् 212) की उन्नत खेती प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली, मल्चिंग पेपर एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से खेती की। इन तकनीकों के उपयोग से जहां जल की बचत हुई, वहीं फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी वृद्धि हुई।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026: महिला 86+ किग्रा वेटलिफ्टिंग में मिजोरम की ज़ोसांगज़ुआली ने जीता स्वर्ण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत महिला 86+ किलोग्राम वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस स्पर्धा में मिजोरम की ज़ोसांगज़ुआली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ज़ोसांगज़ुआली ने स्नैच में 70 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 83 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 140 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने मिजोरम को गौरवान्वित किया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल परिसर में किया जा रहा है। असम की पिंकी बोरो ने शानदार प्रयास करते हुए कुल 125 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने स्नैच में 55 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 70 किलोग्राम का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने भी दमदार खेल दिखाते हुए कुल 86 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 39 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 47 किलोग्राम वजन उठाया। प्रतियोगिता में त्रिपुरा की ट्विस्मु जमातिया चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने कुल 77 किलोग्राम वजन उठाया। प्रतियोगिता की खास बात यह रही की सभी खिलाड़ियों ने युवा आयु में बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

86 किलोग्राम भारोत्तोलन में महाराष्ट्र की साक्षी बुरकुले ने जीता स्वर्ण

छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने रजत, असम की बिटुपुना देओरी को कांस्य; रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत 86 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की साक्षी बंडू बुरकुले ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक कब्जा किया। यह प्रतिस्पर्धा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की खेल मैदान में आयोजित की जा रही है। साक्षी बुरकुले ने स्नैच में 68 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 82 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 150 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल की, उनका प्रदर्शन पूरे मुकाबले में सबसे मजबूत रहा। छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल की।

उन्होंने कुल 121 किलोग्राम (स्नैच 55 किलोग्राम, क्लीन एंड जर्क 71 किलोग्राम) वजन उठाया। वहीं असम की बिटुपुना देओरी ने 118 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में असम की लिंडा 114 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि त्रिपुरा की सुमी मोग (77 किलोग्राम) और आंध्र प्रदेश की जेसी रानी (61 किलोग्राम) क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहीं।

प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 झारखंड की पूनम उरांव ने रचा इतिहास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में झारखंड की प्रतिभावान खिलाड़ी पूनम उरांव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। चतरा जिले की निवासी पूनम ने अपनी जीत से न केवल अपने राज्य, बल्कि उरांव जनजाति का भी गौरव बढ़ाया है। पूनम की यह उपलब्धि उनके संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। वर्ष 2019 में दिल्ली नेशनल प्रतियोगिता के दौरान लगी गंभीर चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत के दम पर शानदार वापसी की। प्रतियोगिता के दौरान मांसपेशियों पर टेपिंग के बावजूद पूनम ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को तकनीक और मानसिक मजबूती के बल पर पराजित किया। अपनी जीत पर भावुक होते हुए पूनम ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का क्षण है तथा लंबे अंतराल और कठिन संघर्ष के बाद यह सफलता उनके और उनके परिवार के लिए बेहद खास है। एक साधारण किसान परिवार से आने वाली पूनम उरांव वर्तमान में रांची स्थित खेलगांव में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनके पिता ने ही उन्हें कुश्ती के ट्रायल्स में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था। पूनम ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में मिले सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। स्वर्ण पदक जीतने के बाद पूनम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उनका अगला लक्ष्य छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए तिरंगा लहरा सकें। प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पूनम उरांव की यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है और प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (पांचवा दिन राउंडअप)

झारखंड और हिमाचल के पहलवानों ने जीते दो-दो स्वर्ण, छत्तीसगढ़ के वेटलिफ्टर्स ने जोड़े दो पदक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पांचवें दिन रविवार को अंबिकापुर में शुरू हुई कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड और हिमाचल प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो-दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं मिजोरम के वेटलिफ्टर्स ने भी दो स्वर्ण जीतकर प्रतियोगिता का समापन किया। झारखंड ने अपने स्वर्ण पदकों का खाता पूनम उरांव के जरिए खोला, जिन्होंने महिला 50 किग्रा फाइनल में तेलंगाना की गीता के को 6-3 से हराया। इसके बाद अंजित कुमार मुंडा ने पुरुष 67 किग्रा ग्रीको रोमन फाइनल में गुजरात के मुकेश वासवा को टेक्निकल सुपीरियरिटी से हराकर स्वर्ण जीता। हिमाचल प्रदेश को उनके दोनों स्वर्ण नविश कुमार (97 किग्रा ग्रीको रोमन) और प्रियंका चौधरी (महिला 62 किग्रा) से मिले। वहीं मिजोरम ने जोसांगजुआली (महिला +86 किग्रा) और डेविड जोह्मिंगमाविया (पुरुष +110 किग्रा) के स्वर्ण के साथ कुल चार स्वर्ण हासिल कर लिए, जिससे वे पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

कुल पदक तालिका में कर्नाटक 15 स्वर्ण, 6 रजत और 4 कांस्य के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। ओडिशा 9 स्वर्ण, 4 रजत और 10 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अरुणाचल प्रदेश 5 स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। मेजबान छत्तीसगढ़, जिसे वेटलिफ्टिंग में रिशिका कश्यप (रजत) और लकी बाबू मरकाम (कांस्य) से दो पदक मिले, नौवें स्थान पर खिसक गया। अरुणाचल प्रदेश के साम्बो लापुंग ने पुरुष 100 किग्रा वर्ग में 299 किग्रा कुल वजन उठाकर स्वर्ण जीतते हुए अपनी टीम को तीसरे स्थान पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मिजोरम के डेविड लाल जाव्मडिका (270 किग्रा) ने रजत और छत्तीसगढ़ के लकी बाबू (261 किग्रा) ने कांस्य जीता।

महाराष्ट्र ने भी पदक तालिका में बढ़त बनाई। साक्षी बुर्कुले ने महिला 86 किग्रा वर्ग में 150 किग्रा कुल वजन उठाकर स्वर्ण जीता, जो रजत विजेता रिशिका कश्यप से 29 किग्रा अधिक था। इसके अलावा विनोद सालकर ने पुरुष 125 किग्रा फ्रीस्टाइल नॉर्डिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर महाराष्ट्र की झोली में एक और सफलता डाली। जम्मू-कश्मीर ने भी कुश्ती में एक स्वर्ण और एक रजत के साथ अपना खाता खोला। मुनीर हुसैन ने पुरुष 74 किग्रा फ्रीस्टाइल में महाराष्ट्र के विक्रम पवार को 11-1 से हराकर स्वर्ण जीता, जबकि शमा हून को 97 किग्रा ग्रीको रोमन फाइनल में हिमाचल प्रदेश के नविश कुमार से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा।

जल जीवन मिशन से बदली ग्राम किरीतमाल की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जहां कभी हर सुबह पानी की चिंता के साथ शुरू होती थी, आज वही दिन सुकून, सुविधा और मुस्कान के साथ गुजर रहा है। यह बदलाव है रायगढ़ जिले के ग्राम किरीतमाल के लोगों के जीवन में, जिनकी दिनचर्या जल जीवन मिशन के चलते पूरी तरह बदल चुकी है।

जिला रायगढ़ के विकासखंड खरसिया से लगभग 30 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में कुछ साल पहले तक पानी की भारी किल्लत थी। एक साधारण किसान परिवार की गृहिणी तनूजा यादव के लिए हर दिन की शुरुआत पानी की व्यवस्था से होती थी। गांव में कुछ सीमित हैंडपंप ही पानी का एकमात्र साधन थे, जिनसे पानी लाने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। कई बार दिन में दो से तीन बार चक्कर लगाना उनकी मजबूरी थी। गर्मियों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। हैंडपंप सूख जाते, और जो चलते भी थे, वहां लंबी कतारें लगी रहती थीं। घंटों इंतजार करने के बाद भी पर्याप्त पानी मिलना मुश्किल होता था। इस रोज़मर्रा के संघर्ष से न केवल समय का अपव्यय होता था, बल्कि इसका असर परिवार की दिनचर्या पर भी पड़ता था।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना इस गांव के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई। योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया। जब तनूजा यादव के घर में पहली बार नल से पानी आया, तो वह पल उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अब उन्हें पानी के लिए घर से बाहर नहीं जाना पड़ता। इस सुविधा ने उनके जीवन को न केवल आसान बनाया है, बल्कि उन्हें अपने समय का बेहतर उपयोग करने का अवसर भी दिया है। जो समय पहले पानी लाने में खर्च होता था, अब वह समय वे परिवार की देखभाल, घर के कामों और बच्चों के साथ बिताने में लगा रही हैं। स्वच्छ और सुरक्षित पानी मिलने से उनके परिवार के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले जहां दूषित पानी के कारण छोटी-छोटी बीमारियां आम थीं, अब वे समस्याएं काफी हद तक खत्म हो गई हैं। सबसे बड़ा सकारात्मक बदलाव उनके बच्चों के जीवन में आया है। पहले जहां बच्चों को भी पानी लाने में हाथ बंटाना पड़ता था, अब वे नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे पा रहे हैं। आज तनूजा यादव गर्व और संतोष के साथ कहती हैं कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाएं: राज्यपाल

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क-सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है।

राज्यपाल डेका भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आंसदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, सासोनी शामिल है। इसी प्रकार समाज सेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार वायरल हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा।

एक स्वस्थ पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने इस चौथे स्तंभ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर दुबे, सचिव सतीश बौद्ध एवं अन्य पदाधिकारी और राजाराम त्रिपाठी, प्रो. संजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा